CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-10 अंक: 178 ता. 10 जनवरी 2022, सोमवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

अब 26 दिसंबर को मनाया जाएगा 'वीर बाल दिवस': पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को ऐलान किया है कि सिखों के 10वें गुरु गोबिंद सिंह के चारों बेटों को श्रद्धांजलि देने के लिए इस साल से 26 दिसंबर को 'वीर बाल दिवस' के रूप में मनाया जाएगा। मोदी ने गुरु गोबिंद सिंह के प्रकाश पर्व के अवसर पर यह घोषणा की है। उन्होंने ट्वीट किया कि यह 'साहिबजादों' के साहस और न्याय स्थापना की उनकी कोशिश को उचित श्रद्धांजलि है। गुरु गोबिंद सिंह के चारों पुत्रों की मुगलों ने हत्या कर दी थी। दरअसल, पीएम मोदी ने ट्वीट किया, 'वीर बाल दिवस उसी दिन मनाया जाएगा, जब साहिबजादा जोरावर सिंह जी और साहिबजादा फतेह सिंह जी ने दीवार में जिंदा चिनवा दिए जाने के बाद शहीदी प्राप्त की थी। इन दो महान हस्तियों ने धर्म के महान सिद्धांतों से विचलित होने के बजाय मौत को चुना। माता गुजरी, श्री गुरु गोबिंद सिंह जी और चार साहिबजादों की बहादुरी और आदर्शों ने लाखों लोगों को ताकत दी। पीएम ने आगे लिखा, 'उन्होंने कभी अन्याय के आगे सिर नहीं झुकाया और समावेशी और सौहार्दपूर्ण विश्व की कल्पना की। यह समय की मांग है कि और लोगों को उनके बारे में पता चले। प्रधानमंत्री के इस ऐलान के बाद बीजेपी सांसद प्रवेश साहिब सिंह ने ट्वीट कर कहा कि 2018 में मैंने एक मुहिम शुरू की थी और संसद के एक-एक सांसद से मिलकर हस्ताक्षर अभियान शुरू किया कि 26 दिसंबर को चार साहिबजादों के बलिदान दिवस पर बाल दिवस मनाया जाए। आज इस ऐतिहासिक कार्य को पूरा करने के लिए मैं आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दिल से कोटि-कोटि धन्यवाद करता हूं।

संसद के 400 कर्मचारी पाए गए कोरोना पॉजिटिव

राज्यसभा चेयरमैन वेंकैया नायडू ने जारी किए दिशानिर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)।

देश की राजधानी दिल्ली में स्थत संसद के करीब 400 कर्मचारी औचक टेस्ट के दौरान कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। राष्ट्रीय राजधानी में नए मामलों के अचानक बढ़ने के मद्देनजर 6-7 जनवरी को औचक परीक्षण किया गया था। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, राज्यसभा सचिवालय के 65, लोकसभा सचिवालय के करीब 200 और संसद में काम करने वाले अन्य 133 लोग 4 से 8 जनवरी के दौरान कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए राज्यसभा के चेयरमैन वेंकैया नायडू ने दिशानिर्देश जारी किए हैं। राज्यसभा सचिवालय ने अधिकारियों और कर्मचारियों की उपस्थिति पर प्रतिबंध लगा दिया है। नवीनतम निर्देशों के अनुसार, अवर सचिव/कार्यकारी अधिकारी के पद से नीचे के 50 फीसदी अधिकारियों और कर्मचारियों को इस महीने के अंत तक घर से ही काम करना होगा। वे कुल कर्मचारियों का लगभग 65 फीसदी हैं। विकलांग और गर्भवती महिलाओं को कार्यालय में उपस्थित होने से छूट दी गई है। सभी आधिकारिक बैठकें वर्चुअली होंगी। राज्यसभा के सभापति वेंकैया नायडू ने निर्देश दिया कि सभी 1300 अधिकारियों और कर्मचारियों का कोरोना टेस्ट किया जाए। उनका संक्रमण ठीक होने पर कड़ी निगरानी रखी जाए और जरूरत पड़ने पर अस्पताल में भर्ती होने और इलाज में मदद की जाए। वहीं शनिवार की शाम को राष्ट्रीय राजधानी में 20,181 नए कोविड मामले दर्ज किए गए, जो पिछले आठ महीनों में सबसे अधिक हैं। नए मामलों ने शहर में संक्रमण की संख्या को 15 लाख 26 हजार 979 तक पहुंचा दिया है। सात और मौतें दर्ज होने के बाद मरने वालों की संख्या बढ़कर 25,143 हो गई है।

पीएम मोदी ने श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व पर लोगों को बधाई दी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व के अवसर पर देशवासियों को बधाई दी है। एक ट्वीट में, प्रधानमंत्री ने कहा कि 'श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व पर बधाई। उनका जीवन और संदेश लाखों लोगों को शक्ति देता है। मैं हमेशा इस तथ्य को संजो कर रखूंगा कि हमारी सरकार को उनके 350वें प्रकाश उत्सव को मनाने का अवसर मिला है। उस समय की अपनी पटना यात्रा की कुछ झलकियां साझा कर रहा हूँ।

देश व धर्म की रक्षा के लिए 4 साहिबजादों व राष्ट्रभक्ति देश की धरोहर है: मंत्री अमित शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाशपर्व के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा साहिबजादों के बलिदान दिवस 26 दिसंबर को 'वीर बाल दिवस' के रूप में मनाने के निर्णय का स्वागत किया। श्री अमित शाह ने ट्वीट्स के माध्यम से कहा कि 'प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के 'वीर बाल दिवस' मनाने के निर्णय से चार साहिबजादों की राष्ट्रभक्ति से न सिर्फ आज करोड़ों बच्चे प्रेरणा लेकर राष्ट्रसेवा में अपना योगदान दे पाएँगे बल्कि आने वाली पीढ़ियों तक उनका बलिदान याद किया जाएगा। इसके लिए मोदी जी का अभिनंदन करता हूँ।' केन्द्रीय गृह मंत्री ने देशवासियों को खालसा पंथ के संस्थापक सरबंसदानी गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाशपर्व की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि 'दशम सिख गुरु व खालसा पंथ के संस्थापक सरबंसदानी गुरु गोबिंद सिंह जी ने अधर्म और राष्ट्र विरोधी शक्तियों के विरुद्ध एकता की सीख दी। उनका त्याग, साहस और शिक्षाएं राष्ट्र-कल्याण के लिए सदैव हमारा मार्गदर्शन करती रहेंगी। श्री शाह ने कहा कि 'देश व धर्म की रक्षा के लिए 4 साहिबजादों व माता गुजरी का अतुलनीय बलिदान व राष्ट्रभक्ति देश की धरोहर है'।

अब तक 151.57 करोड़ से अधिक टीके लगाए गए, 24 घंटों में 1,59,632 नए रोगी सामने आए

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पिछले 24 घंटों में 89 लाख से अधिक (89,28,316) वैक्सीन की खुराक देने के साथ ही भारत का कोविड-19 टीकाकरण कवरेज आज सुबह 7 बजे तक अंतिम रिपोर्ट के अनुसार 151.57 करोड़ (1,51,57,60,645) से अधिक हो गया। इस उपलब्धि को 1,61,76,087 टीकाकरण सत्रों के जरिये प्राप्त किया गया है। पिछले 24 घंटों में 40,863 रोगियों के ठीक होने के साथ ही स्वस्थ होने वाले मरीजों (महामारी की शुरुआत के बाद से) की कुल संख्या बढ़कर 3,44,53,603 हो गई है। भारत में स्वस्थ होने की दर 96.98 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटे में 1,59,632 नए मरीज सामने आए हैं। वर्तमान में 5,90,611 सक्रिय रोगी हैं। वर्तमान में ये सक्रिय मामले देश के कुल पुष्टि वाले मरीजों का 1.66 प्रतिशत हैं। देश भर में जांच क्षमता का विस्तार लगातार जारी है। पिछले 24 घंटों में कुल 15,63,566 जांच की गई हैं। भारत ने अब तक कुल 69 करोड़ (69,00,34,525) जांच की गई हैं। देश भर में जांच क्षमता को बढ़ाया गया है, साप्ताहिक पुष्टि वाले मामलों की दर 6.77 प्रतिशत है, दैनिक रूप से पुष्टि वाले मामलों की दर 10.21 प्रतिशत है।

भारत के पहले स्वदेशी विमानवाहक पोत विक्रांत का एक और समुद्री परीक्षण शुरू

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत के पहले स्वदेशी विमानवाहक पोत विक्रांत ने बेड़े में शामिल होने से पहले गहरे समुद्र में जटिल युद्धाभ्यास के लिए रविवार को एक और परीक्षण शुरू किया। 40000 टन वजनी विमानवाहक पोत ने गत वर्ष अगस्त में पांच दिवसीय पहली समुद्री यात्रा सफलतापूर्वक पूरी कर गत वर्ष अक्टूबर में 10-दिवसीय समुद्री परीक्षण किया था। भारत में बनने वाला यह सबसे बड़ा और सबसे जटिल युद्धपोत है।

नौसेना के प्रवक्ता कमांडर विवेक माधवाल ने कहा,आईएसी अब जटिल युद्धाभ्यास करने के लिए रवाना हुआ है, ताकि विशिष्ट रीडिंग स्थापित की जा सके कि पोत विभिन्न परिस्थितियों में कैसा प्रदर्शन करता है।' उन्होंने कहा कि इस दौरान जहाज के विभिन्न सेंसर सूट का भी परीक्षण हुआ।युद्धपोत का निर्माण लगभग 23,000 करोड़ रुपए की लागत से किया गया है और इसके निर्माण ने भारत को उन चुनिंदा देशों के समूह में शामिल कर दिया है जिनके पास अत्याधुनिक विमानवाहक पोत बनाने की क्षमता है। राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद और उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू हाल ही में कोच्चि में युद्धपोत को देखने गए थे। कमांडर माधवाल ने कहा, ''दो हफ्ते से भी कम समय के भीतर राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति की लगातार दो हाई प्रोफाइल यात्राओं के बाद, आईएसी विक्रांत का अगले सेट का समुद्री परीक्षण किया जा रहा है।''

ओमिक्रॉन के बाद अब आ रहा है डेल्टाक्रॉन

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कोरोना वायरस के एक के बाद एक वैरिएंट ने पूरी दुनिया की नींद उड़ा रखी है। दूसरी लहर में भारत और दुनिया को बुरी तरह प्रभावित करने वाले डेल्टा वैरिएंट से उबरने के बाद इस समय ओमिक्रॉन का खतरा मंडराया हुआ है। लेकिन अब इन सबसे बीच एक और वैरिएंट सामने आया है जिसके 'डेल्टाक्रॉन कहा जा रहा है। एक मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि साइप्रस में एक नया कोरोना वायरस वैरिएंट डेल्टाक्रॉन उभरा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 'डेल्टाक्रॉन' का जेनेटिक बैकग्राउंड डेल्टा वैरिएंट के समान है, साथ ही इसमें ओमिक्रॉन जैसे कुछ म्यूटेशन भी हैं। इसीलिए इसे 'डेल्टाक्रॉन' कहा गया है। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि यह चिंता की बात नहीं है। कुल मिलाकर, साइप्रस में लिए गए 25 नमूनों में ओमिक्रॉन के 10 म्यूटेशन पाए गए। जेरूसलम पोस्ट ने साइप्रस मेल का हवाला देते हुए बताया कि नमूनों में से 11 ऐसे लोगों के थे जो वायरस के कारण अस्पताल में भर्ती थे, जबकि 14 सामान्य आबादी से आए थे। साइप्रस विश्वविद्यालय में जैव प्रौद्योगिकी और आणविक वायरोलॉजी की प्रयोगशाला के प्रमुख डॉ. लियोनडिओस कोस्त्रिकिस ने कहा कि अस्पताल में भर्ती रोगियों के बीच म्यूटेशन की फ्रीक्वेंसी अधिक थी और यह नए वैरिएंट और अस्पताल में भर्ती होने के बीच संबंध की इशारा करता है। कोस्त्रिकिस ने इस बात पर भी जोर दिया कि इस वैरिएंट का डेल्टा वैरिएंट के समान जेनेटिक बैकग्राउंड है, साथ ही साथ ओमिक्रॉन से कुछ म्यूटेशन भी हैं। साइप्रस के स्वास्थ्य मंत्री मिखलिस हाडजीपांडेलस ने शनिवार को कहा कि नया वैरिएंट फिलहाल चिंता की बात नहीं है। मंत्री ने नए वैरिएंट की खोज पर भी गर्व व्यक्त किया। हाजीपांडेलस ने कहा कि डॉ. कोस्त्रिकिस की टीम के अभूतपूर्व शोध और निष्कर्ष हमें अपने वैज्ञानिकों पर गर्व कराते हैं। जेरूसलम पोस्ट के अनुसार, मंत्री ने यह भी कहा कि यह शोध स्वास्थ्य के मामलों में साइप्रस को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रखता है। वैसे अभी तक, नए वेरिएंट के वैज्ञानिक नाम की घोषणा नहीं की गई है।

यूपी के चुनावी मैदान में नीतीश कुमार भी दिखाएंगे दम

नई दिल्ली (एजेंसी)।

बिहार में चुनाव जीतने के बाद अब जेडीयू यूपी में भी उतरने की तैयारी कर रही है। यहां जेडीयू बीजेपी के साथ मिलकर मैदान में उतरेगी। जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने रविवार को बताया कि जदयू मणिपुर और गोवा में अपने दम पर और यूपी में भाजपा के साथ मिलकर चुनाव लड़ेगी। ललन सिंह के अनुसार भाजपा ने जदयू के साथ मिलकर लड़ने की सहमति दे दी है। पार्टी के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह की इसे लेकर भाजपा के साथ बातचीत हुई है। जदयू को कितनी सीटें मिलेंगी, कहां-कहां से लड़ेंगे, इन सभी मसलों पर बातचीत के लिए पार्टी ने आरसीपी सिंह को अधिकृत किया है। दोनों दलों के बीच सहमति के बाद भाजपा को यह भी बता दिया गया है कि जदयू कहां-कहां से चुनाव लड़ना चाहती है। सीटों की संख्या पर कुछ भी बोलने से इनकार करते हुए ललन सिंह ने कहा कि हमें सम्मानजनक सीटें चाहिए। ललन सिंह ने कहा कि आरसीपी सिंह ने सीटों की सूची बीजेपी को सौंप दी है। पार्टी की ओर ले उत्तर प्रदेश बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष को सूची सौंपी गई है। सीटों पर समझौते की बातचीत भी केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह कर रहे हैं। बिहार में एनडीए गठबंधन का हिस्सा दोनों पार्टियों के बीच यूपी चुनाव में भी गठबंधन करने को लेकर लंबे समय से बातचीत चल रही थी।

कोलकाता से पूरे देश में अपना नेटवर्क बनने में जुटे थे जमात उल मुजाहिद्दीन के आंतकी

एनआईए की चार्जशीट में दावा

कोलकाता (एजेंसी)।

जमात उल मुजाहिद्दीन, बांग्लादेश (जेएमबी) के आतंकियों ने कोलकाता से देशभर में नेटवर्क विस्तार की साजिश रची थी। इसका खुलासा कोलकाता से गिरफ्तार जेएमबी आतंकियों के खिलाफ पेश की गई चार्जशीट में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) ने यह किया है। गत जुलाई में कोलकाता से पांच जेएमबी आतंकियों को गिरफ्तार किया गया था। एनआइए की 60 पन्नों की चार्जशीट में चौंकाने वाली जानकारी है। चार्जशीट में कहा गया है कि आतंकियों ने कोलकाता से पूरे देश में जेएमबी का नेटवर्क फैलाने की साजिश रची थी। आतंकियों को नेटवर्क विस्तार के लिए बांग्लादेश से उसके आकाओं से सुनियोजित तरीके से मदद मिल रही थी। चार्जशीट में कई अन्य मुद्दों का जिक्र है। चार्जशीट नजीउर रहमान, रबीउल इस्लाम, मिकाइल खान, अब्दुल मन्नान और राहुल कुमार के खिलाफ दाखिल की गई है। एनआइए की जांच के मुताबिक नजीउर रहमान कोलकाता में जेएमबी का मुखिया था। बांग्लादेश के ये पांच निवासी पेडलर्स की आड़ में महानगर में रह रहे थेये सभी फर्जी आधार कार्ड और वोटर आइडी के साथ कोलकाता में रह रहे थे। चार्जशीट में बताया गया है, कि ये लोग उत्तर 24 परगना की सीमा पार कर अवैध रूप से कोलकाता आए थे। बांग्लादेश में इन आतंकियों के खिलाफ अनेक आपराधिक मामले हैं। वे कोलकाता के हरिदेबपुर में अपना डेरा डाले हुए थे। यह सूचना मिलने के बाद कोलकाता पुलिस की एसटीएफ ने उन्हें पिछले जुलाई में गिरफ्तार किया था। आतंकियों के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम यानी यूएपी की कई धाराओं के तहत मामले दर्ज किए गए हैं। चार्जशीट में उनके पास से बरामद कई जिहादी दस्तावेजों का जिक्र है।इससे पहले कोलकाता से एक और जेएमबी आतंकी अनवर हुसैन उर्फ ईमान को गिरफ्तार किया गया था। फिलहाल आतंकी कोलकाता के दमदम सेंट्रल जेल में बंद हैं। जांचकर्ता इस बात की जांच कर रहे हैं कि जेल से अनवर आतंकी नेटवर्क तो नहीं चला रहा है।

चुनाव आयोग आचार संहिता

चुनाव आयोग आचार संहिता को सख्ती से लागू कराएः मायावती

नई दिल्ली (एजेंसी)।

बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा है कि आयोग चुनाव आचार संहिता का कड़ाई से पालन कराए। क्योंकि पिछले कुछ वर्षों से चुनावों के दौरान हर प्रकार की धांधली करने तथा सत्ता और धर्म का चुनावी स्वार्थ के लिए अनुचित इस्तेमाल करने की प्रवृत्ति काफी घातक रूप में बढ़ी है इसको लेकर पूरा देश भी काफी चिंतित है। इतना ही नहीं बल्कि पिछले कुछ चुनाव में कोरोना के अति प्रकोप में भी जिस प्रकार से रैलियों व रोड शो आदि के जरिए चुनाव आचार संहिता का खुला उल्लंघन किया गया है उसे देख पूरा देश काफी हैरत में रह गया है। साथ ही पिछले कुछ वर्षों से चुनावों को विशेषकर धार्मिक रंग देकर जिस प्रकार से संकीर्ण राजनीति जारी है उसपर भी चुनाव आयोग को काफी सख्त कदम उठाने की आवश्यकता है। मायावती ने कहा कि इन मामलों में पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों की निष्पक्षता के साथ बिना भेदभाव के कानून के मुताबिक काम कराने को सुनिश्चित करने के लिए भी यह जरूरी है कि सरकारी मशीनरी में भी चुनाव आयोग का कानूनी खौफ जरूर कायम रहे तभी यहां चुनाव सही से संपन्न हो पाएंगे। हालांकि इस मामले में बीएसपी खुद ही एक अनुशासित पार्टी है व आदर्श चुनाव आचार संहिता पर पूरी सख्ती से अमल करने की हिदायत अपनी पार्टी के सभी स्तर के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं आदि को हमेशा देती रहती है। मायावती ने कहा ककि चुनाव को अपने देश में लोकतंत्र का खास त्योहार माना जाता है। चुनाव फ्री एंड फेयर होना चाहिए इस इसके लिए चुनाव आयोग से हमारा अनुरोध भी है। खासकर दलित व अन्य कमजोर वर्गों के लोग अति संवेदनशील को पोलिंग बूथों पर अपना मत डाल सके। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए चुनाव आयोग को काफी सख्त कदम उठाने पड़ेंगे। वरना इन वर्गों के लोग अपना वोट डालने से वंचित रह जाएंगे। बीएसपी ऐसी राजनीतिक पार्टी और मानवतावादी मूवमेंट भी है जो अपनी नीति व कार्यक्रमों में सर्व समाज के लोगों का विभिन्न क्षेत्रों में लगे विशेषकर गरीबों, मजदूरों, किसानों, व्यापारियों एवं मेहनतकश लोगों के हितों का भी पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी से ध्यान रखती है और खासकर अपराध नियंत्रण और कानून व्यवस्था के मामले में लोगों की चाहत के हिसाब से काम नहीं करती और नहीं ही गलत करने वाले लोगों को छोड़ती है चाहे वह बीएसपी पार्टी में भी क्यों ना रहा हो।

यही कारण है कि बीएसपी की सरकार में कानून द्वारा कानून का राज रहता है। जिसका मुकाबला अभी तक यहां किसी पार्टी की सरकार ने नहीं किया है।

ममता दीदी दादा गांगुली को भेजी फलों की टोकरी के साथ भेजा कार्ड, लिखा गेट वेल सून'

कोलकाता (एजेंसी)।

पिछले दिनों कोरोना से संक्रमित हुए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआइ) के अध्यक्ष और टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली फिलहाल ठीक हो चुके हैं,लेकिन उनकी बेटी साना कोरोना संक्रमित हो गई है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नाम से इन दिनों कोरोना पीड़ितों को फलों की टोकरी के साथ जल्द स्वस्थ होने का एक गार्ड भेजा जा रहा है।इसी कड़ी में रविवार को कोलकाता नगर निगम की ओर से तृणमूल नेता ने फलों की टोकरी सौरव गांगुली के घर भेजी गई। फलों की टोकरी सौरव की पत्नी डोना गांगुली ने स्वीकार किया।इसपर ममता दीदी के नाम के साथ 'गेट वेल सून' का कार्ड भी लिखा था। रविववार को कोलकाता नगर निगम के जनप्रतिनिधि और बोरो नंबर 16 के अध्यक्ष सुदीप पल्ले ने सौरव गांगुली की पत्नी डोना गांगुली को फलों की टोकरी सौंपी। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, साना में कोरोना के लक्षण मिले थे। वह घर में ही पृथकवास में है। साना लंदन में रहकर पढ़ाई कर रही है। वह छुट्टियों में कोलकाता आई थी। सौरव की पत्नी डोना गांगुली की रिपोर्ट निगेटिव है। साना के अलावा सौरव के परिवार के तीन और सदस्य कोरोना संक्रमित पाए गए थे, जिनमें सौरव के चाचा व दो अन्य करीबी शामिल हैं। राज्य सरकार ने कोरोना मरीजों के जल्द स्वस्थ होने की कामना वाले संदेश देने के लिए अब तक लगभग 10,000 फलों की टोकरियां तैयार की जा चुकी हैं और पूरे कोलकाता में इन टोकरियों के वितरण का काम शुरू कर दिया गया है। 'गेट वेल सून' के संदेश के साथ फलों की टोकरियों को बांटने का काम स्थानीय पार्षदों को सौंपा गया है। वे टोकरी देने के लिए कोविड मरीजों के घरों का दौरा कर रहे हैं। जिन क्षेत्रों में संक्रमण दर अधिक है, वहां टोकरी को घर या भवन के बाहर रख दिया जा रहा है और फिर फोन कर कोरोना पीड़ितों के परिजनों को इसकी सूचना दे दी जा रही है ताकि वे उठाकर ले जा सकें।

गोवा चुनाव को लेकर संजय राउत ने आम आदमी पार्टी पर भी साधा निशाना

नई दिल्ली।

शिवसेना ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर हमला बोला है। शिवसेना ने यह हमला गोवा में ममता द्वारा कांग्रेस नेताओं के निशाना बनाने पर बोला है। शिवसेना सांसद संजय राउत ने कहा है कि ममता का यह कदम भाजपा को फायदा पहुंचाएगा। इसके अलावा शिवसेना ने यह भी आरोप लगाया है कि टीएमसी और आम आदमी पार्टी ने गोवा में वोटरों को लुभाने के लिए पैसे का इस्तेमाल किया है। शिवसेना के मुखपत्र सामना में लिखे अपने साप्ताहिक कॉलम रोकटोक में शिवसेना संजय राउत ने यह बातें लिखी हैं। राउत ने कहाकि गोवा में कांग्रेस को खत्म करने की बात कहना ममता बनर्जी के पॉलिटिकल स्टैंड के खिलाफ है। उन्होंने कहाकि कांग्रेस को उखाड़ फेंकने का सपना भाजपा का हो सकता है। लेकिन केंद्र में सत्ताधारी दल के साथ संघर्ष कर रही ममता बनर्जी को ऐसा स्टैंड नहीं लेना चाहिए। राउत ने लिखा कि गोवा में कांग्रेस 17 से दो की संख्या पर सिमट गई है। इस राज्य की राष्ट्रीय फलक पर कभी चर्चा नहीं होती। इसका नतीजा है कि टीमएसी और आम आदमी पार्टी यहां के लोगों के कल्याण की बात करने लगे हैं। राउत ने कहाकि आप और टीएमसी यहां पर क्रिश्चियन समुदाय के वोटों पर नजर गड़ाए बैठे हैं। लेकिन इस समुदाय का वोट यहां पर कांग्रेस को ही जाएगा।

सपा नेता ने बुक कराया 11 मार्च का योगी जी का गोरखपुर का रिटर्न टिकट

लखनऊ (एजेंसी)।

उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान होते ही सियासी पारा चढ़ गया है। आचार संहिता लगने के बाद सोशल मीडिया पर सभी सियासी दल और राजनेता सक्रिय होकर एक-दूसरे पर निशाना साध रहे हैं। कभी बीजेपी के प्रवक्ता रहे आईपी सिंह भी सोशल सियासी रण में उतर गए हैं।सपा नेता सिंह ने योगी आदित्यनाथ का लखनऊ से गोरखपुर तक का टिकट कटाया है, यह टिकट 11 मार्च का है। सपा नेता ने दावा किया कि 10 मार्च को यूपी चुनाव के नतीजे समाजवादी पार्टी के पक्ष में आएंगे।उन्होंने कहा कि हार के बाद सूबे के मुख्यमंत्री योगी को बीजेपी भी नहीं पूछेगी,इसकारण उन्हें लखनऊ छोड़कर गोरखपुर जाना होगा। ट्विटर पर आईपी सिंह ने फोटो शेयर करते हुए लिखा है, %10 मार्च जनता का दिन होगा, 10 मार्च प्रदेश में सच्चाई का सूरज निकलेगा और सपा सरकार बनाएगी।इसकारण मैंने योगी जी के लिए लखनऊ से गोरखपुर का 11 मार्च का रिटर्न टिकट बुक कर दिया है।यह टिकट संभाल कर रखिए, क्योंकि भाजपा भी नहीं पूछेगी आपको हार के बाद।

रेलवे के फ्री वाईफाई का इस्तेमाल कर कुली ने पास किया संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

केरल के रहने वाले श्रीनाथ ने एक मिसाल कायम की है। कुली का काम करने वाले श्रीनाथ ने अपनी मेहनत और लगन से पहले केरल लोक सेवा आयोग की परीक्षा पास की और फिर चार बार कोशिश करने के बाद संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की परीक्षा भी पास कर ली।इतना ही नहीं इन्होंने अपनी पढ़ाई बिना किसी किताब और प्राइवेट ट्यूटर की पूरी की है। श्रीनाथ का कहना है कि इन परीक्षाओं को पास करने के लिए उन्होंने सिर्फ मोबाइल और रेलवे द्वारा दी जा रही फ्री वाईफाई का ही इस्तेमाल किया है। जी हां, रेलवे की फ्री वाईफाई को वह अपने खाली समय में इस्तेमाल करते थे और इससे लेक्चर सुनकर अपने दिमाग से पढ़ाई करते थे। श्रीनाथ मिडिल क्लास फैमिली से हैं, वहां कुली का काम करते हुए उन्होंने इन परीक्षाओं की तैयारी की। श्रीनाथ केरल के मुन्नार के रहने वाले है। उन्हें अपनी फैमिली को चलाने के लिए स्टेशन पर कुली का काम करना पड़ रहा था। कुली का काम करने के बावजूद भी उनका परिवार सही से नहीं चल पाता था जिसके लिए उन्होंने नाइट शिफ्ट भी करनी शुरू कर दी।

जब श्रीनाथ को नाइट शिफ्ट में भी अच्छी कमाई नहीं होती थी,तब उन्होंने केरल लोक सेवा आयोग की परीक्षा देने की सोची। उन्होंने अपनी पढ़ाई के लिए दो चीजों का इस्तेमाल किया अपने स्मार्ट फोन और सरकार द्वारा 2016 से शुरू मुंबई सेंट्रल रेलवे स्टेशन में फ्री वाईफाई सेवा का। बिना किसी किताब और प्राइवेट ट्यूटर के उन्होंने 2018 में केरल लोक सेवा आयोग पास किया।

के पीएससी परीक्षा के बाद श्रीनाथ ने यूपीएससी की तैयारी शुरू कर दी थी। अपने यूपीएससी के चार कोशिशों के बाद आखिर यूपीएससी भी निकालने में कामयाब रहे। इनकी यह जिंदगी आम लोगों को लिए एक प्रेरणा है। जो लोग साधने की कमी होने का हवाला देकर सिर्फ अपने भाग्य को कोसते हैं, उनके लिए श्रीनाथ बहुत बड़ी मिसाल हैं।

नीट-पीजी काउंसलिंग 12 जनवरी से शुरू होगी, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने टवीट कर दी जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि नीट-पीजी काउंसलिंग 12 जनवरी से शुरू होगी। सुप्रीम कोर्ट ने सात जनवरी को अपने अंतरिम आदेश में 2021-22 के लिए नीट-पीजी दाखिले के वास्ते मेडिकल काउंसलिंग बहाल करने की अनुमति दे दी थी। न्यायालय ने अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के छात्रों को 27 प्रतिशत तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लिए दस प्रतिशत आरक्षण की वैधता पर भी मुहर लगाई थी। मांडविया ने ट्वीट किया, रेजिडेंट डॉक्टरों को स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा दिए आश्वासन के अनुसार, सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बाद मेडिकल काउसलिंग समिति द्वारा नीट-पीजी काउन्सलिंग 12 जनवरी 2022 से शुरू की जा रही है।'' उन्होंने लिखा, इससे कोरोना से लड़ाई में देश को और मज़बूती मिलेगी। सभी उम्मीदवारों को मेरी शुभकामनाएं।'' नीट-पीजी परीक्षा 11 सितंबर, 2021 को हुई थी। उससे पहले जनवरी और अप्रैल में दो बार परीक्षा कार्यक्रम में बदलाव किया गया था। पूरे देश में विभिन्न मेडिकल कॉलेजों के रेजिडेंट डॉक्टरों ने काउंसलिंग प्रक्रिया जल्द करने की मांग करते हुए पिछले महीने प्रदर्शन किया था और काम का बहिष्कार किया था।

बता दें कि, सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में अपने एक अंतरिम आदेश में वर्ष 2021-22 के राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातकोत्तर (नीट-पीजी) पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए काउंसलिंग शुरू करने को मंजूरी दी और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के छात्रों को 27 प्रतिशत तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लिए दस प्रतिशत आरक्षण की वैधता को बरकरार रखा। न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना की पीठ ने कहा कि वर्ष 2021-22 के लिए नीट पीजी के वास्ते काउंसलिंग पहले के मानदंडों के आधार पर ही होगी।

भाजपा ने पूछा, प्रियंका गांधी वाड्रा होती कौन, जिन्हें चन्नी ने पीएम की सुरक्षा के बारे में बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पंजाब में हुई सुरक्षा चूक को लेकर सियासत अभी भी गर्म है। वहीं, पीएम की सुरक्षा चूक को लेकर पंजाब के सीएम चरणजीत सिंह चन्नी ने कहा कि पीएम मोदी को पंजाब में कोई खतरा नहीं था। वे यहां पूरी तरह से सुरक्षित थे। उन्होंने कहा कि मैंने इसबारे में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी से बात की है और इस पूरे मामले से उन्हें अवगत कराया है।अब सीएम चन्नी के बयान पर बीजेपी ने सवाल खड़े कर दिए हैं। बीजेपी के प्रवक्ता संबित पात्रा ने चिन्नी पर पटलवार कर कहा कि आखिर एक मौजूदा सीएम ने प्रियंका गांधी वाड्रा को पीएम की सुरक्षा की जानकारी क्यों दी? संबित पात्रा ने सवाल पूछकर कहा है कि सीएम ने ऐसा क्यों किया। प्रियंका के पास कौन सा संवैधानिक पद है? उन्हें पीएम सुरक्षा को लेकर लूप में क्यों लिया गया? पात्रा यहीं नहीं रुके उन्होंने कांग्रेस व गांधी परिवार को कठघरे में खड़ा करते हुए पूछा कि पीएम सिक्योरिटी की जानकारी रखने वालीं प्रियंका गांधी होती कौन हैं। उन्होंने चन्नी पर तंज कसते हुए कहा कि चन्नी साहिब थोड़ा ईमानदार हो जाए, आपने प्रियंका गांधी को अवश्य यह बात कही होगी कि काम हो गया सीज्आपने जो बोला था, वहां हो गया! यानी आपने जो कहा वह काम हो गया।

भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि सीएम के रिकॉर्ड से साफ हो चुका है, कि उन्होंने आखिर किस अधिकार के तहत प्रियंका गांधी को पीएम की सुरक्षा की जानकारी दी गई।सीएम ने किस नियम के तहत पीएम की सिक्योरिटी जैसे संवेदनशील मामले में प्रियंका गांधी को सूचनाएं दी। प्रियंका कौन हैं, जिन्हें मुख्यमंत्री ने सूचित किया? क्या प्रियंका गांधी किसी संवैधानिक पद पर हैं, जो उन्हें जानकारी दी गई? क्या चीफ मिनिस्टर प्रियंका गांधी को यह रिपोर्ट कराने के लिए गए थे कि वह लक्ष्य से चूक गए।

लॉकडाउन में फंसने के डर से गांव वापस लौटने लगे प्रवासी मजदूर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

मुंबई, दिल्ली और अन्य राज्यों में कोरोना के बढ़ते आंकड़ों को देखते हुए लोग अब अपने-अपने गांव लौटने लगे हैं। उनके पलायन कर घर की ओर जाने के पीछे कोरोना के साथ लॉकडाउन का खौफ है। लॉकडाउन के बीच परेशानी में फंस जाएं, इसलिए पहले से ही पूरी तरह तैयारी कर घर निकल लिए हैं। लौटने वालों ने सिर्फ एक लाइन में कहा कि कोरोना के बढ़ते आंकड़े अब डराने लगे हैं। हर दिन कोरोना की रफ्तार और तेजी से बढ़ रही है। लॉकडाउन में फंसने से अच्छा है अपने घर में रहेंगे। कोरोना के बढ़ते आंकड़ों और लॉकडाउन की आशंका के मद्देनजर प्रवासी अपने गांव लौटना शुरू कर चुके हैं। दिल्ली में तो शुक्रवार की शाम से दो दिन का लॉकडाउन लगाया गया। प्रवासी रेल और बसों के माध्यम से अपने घर पहुंच कर कोरोना का सामना करने का मन बना रहे हैं। पुणे में यूनाइटेड फिल्टर प्राइवेट लिमिटेड में मजदूरी करने वाले निक्की ठाकुर लॉकडाउन के डर से घर लौट आए। मुजफ्फरपुर के रहने वाले इंजीनियर पीयूष मिश्रा वैसे तो छुट्टी लेकर लौटे हैं, लेकिन उन्होंने बताया कि बढ़ते कोरोना के मामलों और लॉकडाउन के खतरे के कारण प्रवासी लौटने लगे हैं। हालांकि अभी उनकी संख्या कम है। यदि कोरोना की रफ्तार ऐसी ही रही तो दो से चार दिनों के भीतर लौटने वालों की संख्या काफी बढ़ जाएगी। एक रेल यात्री ने बताया कि डर के मारे चले आए हैं। कोरोना की रफ्तार तीसरी लहर में काफी खतरनाक है। संक्रमण का आंकड़ा पूरी रफ्तार से तेज होती जा रही है। ऐसे में रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड पर प्रवासियों के आने का सिलसिला शुरू हो गया है। सिर पर सामान का बोझ रखे और हाथ में बेटे, पत्नी या फिर मां का हाथ पकड़े प्रवासी वापस अपने घर लौटने लगे हैं। ओखला स्थित फैक्ट्री में काम करने वाले रामकिशुन ने बताया कि दिल्ली और मुंबई में कोरोना बहुत तेजी से अपने चपेट में लोगों को ले रहा है। इस स्थिति में राज्य सरकारों के द्वारा कई कड़े नियम भी लगाए जा रहे हैं। बावजूद इसके कोरोना की रफ्तार कम नहीं हो रही है। ऐसे में आशंका है कि फिर एकबार कहीं लॉकडाउन की घोषणा नहीं हो जाए। लॉकडाउन में फंसने के बाद स्थिति विकट हो जाती है। अपने घर में रहकर किसी भी परिस्थिति का सामना करना आसान होता है। अपने परिवार के साथ गाजियाबाद में रहकर काम करने वाले सुजीत ने बताया कि अभी घर पहुंचना आवश्यक है। लॉकडाउन के दौरान घर और गांव में रहना आसान है। जिले में भी कोरोना की रफ्तार काफी बढ़ गई है। जिले में डीएम, एसडीओ और एसडीपीओ सहित कई डॉक्टर और पदाधिकारी कोरोना पॉजिटिव हो गए हैं। कोरोना प्रोटोकॉल का पालन कराने के उद्देश्य से प्रशासन मास्क चेकिंग अभियान चला रही है। चौक-चौराहों पर पुलिसकर्मी मास्क लगाने के लिए लोगों को हिदायत भी दे रहे हैं।

बावजूद इसके अभी भी बाजार में लोग बिना मास्क के दिख रहे हैं। लोगों को कोरोना से शायद अब भी डर नहीं लग रहा है। शहर के राजेन्द्र चौक, कचहरी रोड सहित भीड़ भाड़ वाले इलाके में लोग बिना मास्क और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन नहीं कर रहे हैं। कोरोना की तीसरी जिले में पूरी रफ्तार में हैं। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि तीन दिनों के भीतर ही 100 लोग कोरोना की चपेट में आ चुके हैं। बावजूद इसके अभी भी 90 फीसदी लोग अभी भी समझने को तैयार नहीं हैं। कोरोना से लड़ने के लिए सबसे बड़ा हथियार वैक्सीन है और उसके बाद दूसरे नंबर पर मास्क आता है जो कोरोना से बचाता है।

संक्षिप्त समाचार

जन धन योजना में जमा राशि डेढ़ लाख करोड़ रुपये के पार पहुंची

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री जन धन योजना के तहत खुले बैंक खातों में जमा राशि डेढ़ लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गई है। योजना की शुरुआत मोदी सरकार ने करीब साढ़े सात साल पहले की थी। वित्त मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के अनुसार 44.23 करोड़ से अधिक जनधन खातों में जमा राशि दिसंबर 2021 के अंत तक 1,50,939.36 करोड़ रुपये थी। वित्तीय समावेश के राष्ट्रीय अभियान के तौर पर शुरू की गई योजना ने पिछले साल अगस्त में सात साल पूरे किए थे। प्रधानमंत्री मोदी ने साल 2014 में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर योजना का एलान किया था। आंकड़ों के अनुसार कुल खातों में से 34.9 करोड़ सार्वजनिक बैंकों में, 8.05 करोड़ खाते क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों में और बाकी 1.28 करोड़ निजी बैंकों में हैं। इस योजना के तहत 31.28 करोड़ लाभार्थियों को रुपे डेबिट कार्ड दिया गया है। समय के साथ रुपे कार्ड की संख्या और इनका इस्तेमाल बढ़ा है।आंकड़ों के अनुसार 29.54 करोड़ जनधन खाते ग्रामीण और अर्धशहरी बैंक शाखाओं में हैं। 29 दिसंबर तक लगभग महिला खाता धारकों की संख्या 24.61 करोड़ थी। योजना के पहले साल में 17.90 करोड़ खुले थे। केंद्र ने पिछले महीने शीतकालीन सत्र के दौरान संसद को बताया था कि आठ दिसंबर तक शून्य बैलेंस वाले खातों की संख्या 3.65 करोड़ थी, जो कुल जन धन खातों का 8.3 फीसदी है। सरकार की इस योजना का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि वित्तीय उत्पादों और सेवाओं को देश के सभी नागरिकों तक आसानी से और किफायती मूल्य पर उपलब्ध कराया जा सके।

सपा की निर्वाचन आयोग से मांग, इन अधिकारियों को तत्काल उनके पदों से हटाया जाए

लखनऊ। निर्वाचन आयोग ने यूपी में विधानसभ चुनाव की तारीख का ऐलान कर दिया,इसके बाद से यूपी में आचार संहिता भी लागू हो गई है।समाजवादी पार्टी ने चुनाव आयोग को निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए ज्ञापन दिया है।सपा के द्वारा मांग की गई है कि यूपी में निष्पक्ष चुनाव के कुछ अधिकारियों को उनके पदों से हटाया दिया जाए। ज्ञापन में बताया गया कि सत्तारूढ़ दल भाजपा के कार्यकर्ता के रूप में कार्य करने वाले अधिकारियों को वर्तमान पदों से तत्काल हटाया जाए।मुख्य निर्वाचन आयुक्त को भेज ज्ञापन में वर्तमान सरकार में अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश अवस्थी, सूचना के अपर मुख्य सचिव नवनीत सहगल, पुलिस महकमे के आला अधिकारी एडीजी लॉ एंड ऑर्डर, प्रशांत कुमार और एसटीएफ के एडीजी अमिताभ यस को पद से हटाने की मांग की है। सपा का तर्क है कि इन्हें हटाने के बाद ही आगामी विधानसभा चुनाव में स्वतंत्र, निष्पक्ष, निर्भीक चुनाव होगा। बात दें कि यूपी में 7 चरणों में चुनाव होने हैं। पहले चरण के तहत 10 फरवरी को वोटिंग होगी। दूसरा चरण 14 फरवरी, तीसरा चरण 20 फरवरी, चौथा चरण 23 फरवरी, 5वां चरण 27 फरवरी, छठा चरण 3 मार्च और 7वां चरण 7 मार्च को संपन्न होगा।10 मार्च को मतगणना होगी और नतीजे आएंगे।

यूपी में कोरोना की रफ्तार तेज 24 घंटों में 7695 नए पॉजिविट मरीज

नई दिल्ली। यूपी में कोरोना तेजी से पांव पसार रहा है। 24 घंटों में 7695 नए कोरोना पॉजिविट पाए गए। इसी अवधि में 253 लोग कोरोना से ठीक भी हुए। सीएम योगी ने सख्ती बरतने का निर्देश दिया है। अधिकारियों से कहा गया है कि संक्रमण की रोकथाम के दृष्टिगत सभी आवश्यक कदम उठाए जाएं। मास्क के प्रयोग, सोशल डिस्टेंसिंग, सैनिटाइजेशन इत्यादि से इस संक्रमण को फैलने से रोका जा सकता है। सीएम योगी ने कहा कि निगरानी समितियां और इंटीग्रेटेड कोविड कमांड सेंटर्स को पूर्णतः सक्रिय किया जाए। होम आइसोलेशन, निगरानी समितियों से संवाद, एम्बुलेंस की जरूरत और टेलिकन्सल्टेशन क लिए अलग- अलग नम्बर जारी किए जाएं। जनपदीय आईसीसीसी में डॉक्टरों का पैनल तैनात करते हुए लोगों को टेलीकन्सल्टेशन की सुविधा उपलब्ध कराई जाए। जरूरत के मुताबिक लोगों को मेडिसिन किट उपलब्ध कराई जाए। कोविड के उपचार में उपयोगी जीवनरक्षक दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित कर ली जाए। सरकार द्वारा 15 करोड़ लोगों को निःशुल्क राशन दिया जा रहा है, किंतु यदि किसी के पास राशन कार्ड भी नहीं है तो उन्हें दोनों समय फूड पैकेट उपलब्ध कराए जाएं। कोविड के पिछले अनुभवों के आधार पर सामुदायिक भोजनालयों का संचालन शुरू कराया जाए।

कौशांबी में राजनीतिक दलों के बीच युवाओं को रिझाने की होड़

उत्तर प्रदेश में कौशांबी जिले के तीन विधानसभा क्षेत्रों में नए नवेले 61 हजार मतदाताओं को रिझाने के लिए राजनीतिक दल एड़ी चोटी का जोर लगाए हुए हैं। शनिवार को राज्य विधानसभा की अधिसूचना जारी होने के बाद जिले में सभी राजनीतिक दलों की नजर विशेषकर युवा मतदाताओं पर टिक गई है। जिले में चायल, मंझनपुर और सिराथू विधानसभा क्षेत्रअमें कुल 11 लाख 82 हजार 518 मतदाता है जिनमें से युवा मतदाताओं की संख्या पांच लाख से अधिक है। तीनों विधानसभा क्षेत्रों में 18 वर्ष पूरी कर चुके 61000 नए मतदाता इस बार बने हैं। मतदाताओं के लिहाज से मंझनपुर विधानसभा सबसे बड़ी और सिराथू विधानसभा सबसे छोटी है। मंझनपुर में कुल 415866 मतदाता हैं जबकि चायल में 350814 मतदाता हैं। सिराथू में में 380838 मतदाता हैं। तीनों विधानसभा क्षेत्र में कुल मतदाताओं में पुरुषों की संख्या 628662 एवं महिला मतदाताओं की संख्या 552830 हैं। राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि युवा शक्ति ही इस चुनाव में जिले में प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला करेगी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी और कांग्रेस के संभावित उम्मीदवार जनसंपर्क के जरिए अपने अपने दलों के रोजगार, लैपटॉप, मोबाइल जैसे लोकलुभावन वादे याद करा कर युवाओं को रिझाने की कोशिश करते दिखायी दे रहे हैं।

सार समाचार

कोविड की रोकथाम के लिये अमेरिकी सेना पर पाबंदी को लेकर हुआ समझौता : जापानी प्रधानमंत्री

टोक्यो। जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने रविवार को कहा कि कोविड-19 को लेकर बढ़ रही चिंताओं के बीच अमेरिका के साथ एक बुनियादी समझौता हुआ है, जिसके तहत अमेरिकी सैनिकों के लिये जापान में स्थित अड्डे को छोड़ने पर पाबंदी रहेगी। किशिदा ने कहा कि अमेरिकी सैनिक अड्डे पर ही रहेंगे। वे केवल बहुत जरूरी होने पर ही अड्डे को छोड़ेगें, जिसका अर्थ है कि आपात स्थिति या सुरक्षा कारणों से ही वे बाहर निकल पाएंगे। प्रधानमंत्री ने फुजी टीवी पर कहा कि समझौते के विवरण पर अभी काम किया जा रहा है और अमेरिका के साथ संपूर्ण सुरक्षा समझौते में कोई बदलाव नहीं होगा। जापान ने पिछले हफ्ते अमेरिका से अपने सैन्य कर्मियों को अड्डे पर ही रखने के लिए सहयोग मांगा था। जापान में हाल में कोविड-19 के नए मामलों में तेज वृद्धि देखी गई है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने इसे छठी लहर करार दिया है। शनिवार को चार महीने बाद संक्रमण के सबसे अधिक आठ हजार से ज्यादा मामले सामने आए। मामलों में वृद्धि का एक कारण अमेरिका सेना को भी बताया जा रहा है, क्योंकि ज्यादातर नए मामले उसके सैन्य अड्डे के आसपास से सामने आ रहे हैं।

तालिबान ने सरकार के मुखर आलोचक प्रोफेसर को गिरफ्तार किया

काबुल। तालिबान ने एक प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय के लोकप्रिय प्रोफेसर तथा अफगानिस्तान के मौजूदा शासन समेत विभिन्न सरकारों के मुखर आलोचक को गिरफ्तार किया है। समूह के प्रवक्ता जबीउल्ला मुजाहिद ने रविवार को यह जानकारी दी। मुजाहिद ने ट्वीट किया कि फजीउल्ला जलाल को तालिबान की खुफिया इकाई ने हिरासत में रखा है। समूह ने प्रोफेसर पर सोशल मीडिया पर बेतुकी टिप्पणियां करने का आरोप लगाया जिनसे लोगों को सरकार के खिलाफ भड़काया जा रहा है।' तालिबान ने 20 साल तक चले युद्ध के बाद 31 अगस्त को अमेरिकी सेना की वापसी से पहले अफगानिस्तान की सत्ता पर नियंत्रण कर लिया था। रविवार तड़के जलाल की बेटी हसीना जलाल ने ट्वीट कर अपने पिता को रिहा करने की गुहार लगाई। उन्होंने ट्वीट किया, मैं इस परेशान करने वाली खबर की पुष्टि कर रही हूं। मैंने अपने पिता फजीउल्ला जलाल को तत्काल रिहा करने की गुहार लगाई है।

ब्राजील में दर्दनाक हादसा, अचानक झील में चट्टान टूटकर गिरने से छह लोगों की मौत

ब्रासीलिया। ब्राजील की एक झील में शनिवार को चट्टान का एक हिस्सा टूटकर नौकाओं पर गिरने से कम से कम छह लोगों की मौत हो गई। मिनस गैरैस राज्य दमकल विभाग के कमांडर एड्गार्ड एस्तेवो ने एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि इस हादसे में छह लोगों की मौत हो गई और कम से कम 20 अन्य लोगों के लापता होने की आशंका है। अधिकारियों ने बताया कि कम से कम 32 लोग घायल हुए हैं, जिनमें से अधिकतर लोगों को शनिवार शाम को अस्पतालों से छुट्टी दे दी गई। घटना के वीडियो में दिख रहा है कि फर्नास लेक पर लोग नौका सवारी का आनंद ले रहे थे, तभी चट्टान का एक हिस्सा टूटकर नौकाओं के ऊपर गिर गया। एस्तेवो ने बताया कि यह हादसा साओ जोस डा बारा और कैपिटलियो कस्बों के बीच हुआ।

कोरोना का कहर जारी, ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स में एक दिन में 30 हजार मामले 15 लोगों की मौत

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स में रविवार को कोरोना वायरस संक्रमण के कारण 16 और लोगों की मौत हो गई, जो इस बीमारी के कारण राज्य में सर्वाधिक दैनिक मृतक संख्या है। ह्यून्यू साउथ वेल्स हेल्थह्न ने यह जानकारी दी। उसने बताया कि ऑस्ट्रेलिया के सबसे अधिक आबादी वाले राज्य में संक्रमण के 30,000 से अधिक नए मामले सामने आए हैं। राज्य में इससे पहले संक्रमण के कारण सर्वाधिक दैनिक मृतक संख्या 15 थी। राज्य में पिछले साल 29 सितंबर और एक अक्टूबर को एक दिन में 15 लोगों की मौत इस वायरस के कारण हुई थी। ह्यून्यू साउथ वेल्स हेल्थह्न ने बताया कि राज्य में 1,927 लोग अस्पतालों में भर्ती हैं, जिनमें से 151 लोग गहन चिकित्सा इकाई में हैं। इसके अलावा दो लाख से अधिक लोग घर में पृथक-वास में रह रहे हैं। इसके अलावा, विक्टोरिया में रविवार को 44,155 नए मामले पाए गए। स्वास्थ्य प्राधिकारियों द्वारा की गई जांच में पता चला है कि नए मामलों में से 80 प्रतिशत मामले ओमीक्रोन स्वरूप से संक्रमण के हैं। विक्टोरिया में रविवार को संक्रमण से आठ लोगों की मौत हुई।

अमेरिका में हुई भारतीय सिख के साथ बदसलूकी को लेकर अमेरिकी विदेश विभाग का आया ये रिएक्शन

न्यूयॉर्क। अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा है कि जॉन एफ कैनेडी (जेएफके) अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर भारतीय मूल के एक सिख कैब चालक पर हमले की खबरों से विभाग 'अत्यंत परेशान' है। विदेश विभाग ने किसी भी तरह की घृणा आधारित हिंसा की निंदा करते हुए कहा कि घृणा अपराध करने वाले लोगों को उनके कृत्यों के लिए जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए, चाहे ऐसे अपराध कहीं भी हुए हों। सोशल मीडिया पर जारी एक वीडियो में यहां जेएफके अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के बाहर सिख टैक्सी चालक पर एक अज्ञात व्यक्ति हमला करते दिख रहा है। हमलावर ने टैक्सी चालक की पगड़ी उतार दी और उसके खिलाफ अपशब्दों का इस्तेमाल किया। बिना तारीख के 26 सेकंड के इस वीडियो को ट्विटर यूजर नवजोत पाल कौर ने चार जनवरी को माइक्रो-ब्लॉगिंग साइट पर अपलोड किया था। वीडियो में एक व्यक्ति हवाई अड्डे के बाहर सिख टैक्सी चालक के साथ मारपीट करता दिख रहा है। कौर ने कहा कि वीडियो को हवाई अड्डे पर मौजूद एक व्यक्ति ने शूट किया था। विदेश विभाग के दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों के ब्यूरो (एससीए) ने शनिवार को एक ट्वीट में कहा, 'जेएफके हवाई अड्डा पर पिछले हफ्ते बनाए गए वीडियो में एक सिख कैब चालक पर हमले की खबरों से अत्यंत दुखी हैं। हमारी विविधता अमेरिका को मजबूत बनाती है और हम किसी भी प्रकार की घृणा-आधारित हिंसा की निंदा करते हैं। हम सभी की जिम्मेदारी है कि घृणा अपराधों के दोषियों को उनके कार्यों के लिए जवाबदेह ठहराया जाए, चाहे ऐसे अपराध कहीं भी हों।' विदेश विभाग की यह प्रतिक्रिया न्यूयॉर्क में भारतीय महावाणिज्य दूतावास द्वारा सिख टैक्सी चालक पर हमले को 'बेहद परेशान करने वाला' करार दिए जाने के बाद आई है। भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने कहा है कि उसने इस मामले को अमेरिकी अधिकारियों के समक्ष उठाया है और उनसे हिंसक घटना की जांच करने का आग्रह किया है। न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने शनिवार को ट्वीट किया, 'न्यूयॉर्क में एक सिख टैक्सी चालक के खिलाफ हमला बहुत परेशान करने वाला है। हमने अमेरिकी अधिकारियों के समक्ष इस मामले को उठाया है और उनसे इस हिंसक घटना की जांच करने का आग्रह किया है।'

लेबनान की राजधानी बेरुत में कोविड-19 टीकाकरण का विरोध करते हुए लोग।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में छह आतंकी ढेर

क्वेटा। बलूचिस्तान को आतंक का अड्डा बनने से रोकने के लिए पाकिस्तान की इमरान सरकार कई कदम उठा रही है। चरमपंथियों और अलगाववादियों के खिलाफ पाक सरकार कई सालों से वहां अभियान चला रही है। रिपोर्ट के अनुसार, प्रांतीय राजधानी क्वेटा के पूर्वी बाईपास क्षेत्र के काउंटर-टेररिज्म डिपार्टमेंट (सीटीडी) के एक ऑपरेशन में पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में कम से कम छह कथित आतंकवादी मार दिए हैं। एक प्रतिबंधित संगठन के छह कथित आतंकवादी एक छापेमारी के दौरान सुरक्षा बलों द्वारा ढेर किए गए हैं।

सुरक्षा बलों को आतंकी ठिकाने से हथियार और विस्फोटक सामग्री भी बरामद हुई है। बयान में कहा गया है कि कथित आतंकवादियों में से एक के सिर पर 20 लाख रुपये का इनाम था इसके पहले शनिवार को पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पुलिस के साथ मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए थे। सीटीपी अधिकारियों ने कहा कि उसने शनिवार तड़के एक खुफिया सूचना पर अभियान चलाया। ऑपरेशन के दौरान, आतंकवादियों ने सीटीडी कर्मियों पर गोलियां चलाईं, जिसका जोरदार जवाब दिया गया।

बलूचिस्तान में पिछले वर्ष भी 16 आतंकियों को सुरक्षा बलों ने अभियान चलाकर मार गिराया था। उस अभियान में दो सैनिक भी मारे गए थे। यह कार्रवाई प्रतिबंधित अलगाववादी संगठनों पर की गई थी। यह अभियान बलूचिस्तान प्रांत के मस्तुंग इलाके में चलाया गया था। इस घटना के दौरान आतंकवादियों ने पुलिस पर गोली चलाई थी जिसके बाद जवाबी कार्रवाई की गई थी। मुठभेड़ के बाद नौ क्लाशनिकोव राइफलें, विस्फोटक और रॉकेट से दागे जाने वाले ग्रेनेड बरामद किए गए थे।

फ्रांसीसी द्वीप बनेगा दुनिया का डिजिटल अड्डा

पेरिस (एजेंसी)

हिंद महासागर में फ्रांस सरकार के अधीन रीयूनियन द्वीप को दुनिया का एक बड़ा डिजिटल केंद्र बनाने की तैयारी में है।ये दुनिया का छठा डिजिटल सेंटर होगा। डिजिटल कंपनियों के समूह का दावा है कि स्थानीय बेरोजगारी कम होगी। फ्रांस का रियूनियन द्वीप, हिंद महासागर में अपने स्वर्गिक तटों और हरे-भरे लैंडस्केपों के लिए विख्यात है।द्वीप का करीब 42 फीसदी हिस्सा यूनेस्को के विश्व विरासत स्थलों में शामिल है। लेकिन ये द्वीप जल्द ही किसी और चीज के लिए प्रसिद्धि हासिल कर लेगा। डिजिटल कंपनियों के अंतरराष्ट्रीय समूह की योजना इस द्वीप को दुनिया का एक बड़ा डिजिटल केंद्र बनाने की है। पहला चरण 2021 के वसंत में पूरा हुआ था। इसके तहत द्वीप को एक सुपर-फास्ट इंटरनेट केबल के जरिए मेडागास्कर, मॉरीशस और साउथ अफ्रीका से जोड़ा गया था। 24 टेराबाइट क्षमता वाली ये केबल, रियूनियन द्वीप में मौजूदा इंटरनेट कनेक्शनों से 24 गुना ज्यादा तेज है। रियूनियन स्थित समूह ओसइंडे के सीईओ नासिर गाउलामाले ने बताया कि ₹रियूनियन द्वीप का इंटरनेट, देश का दूसरा सबसे तेज रफ्तार वाला इंटरनेट है, करीब-करीब राजधानी पेरिस जितना द्रुत है।फ्रांस के अपने व्यापारिक सहयोगियों केनाल प्लस और एसएफआर, मॉरीशस के अपने सहयोगियों सीईबी फाइबरनेट और एमटेल और मेडागास्कर की टेल्मा कंपनी के साथ मिलकर मेटिस्स नाम के नये केबल में पांच करोड़ यूरो (57 मिलियन डॉलर) का निवेश किया है। इन कंपनियों का ये समूह, रियूनियन द्वीप से भारत को जोड़ने के लिए एक-दूसरे केबल पर 12 करोड़ खर्च करने की योजना बना रहा है।इसके अलावा, द्वीप में बहुत सारे विशाल डाटा सेंटर बनाए जाएंगे।हम कंपनियों को एक अरब यूरो तक का खर्च करने के लिए तैयार कर रहे हैं और बहुत सारे इच्छुक निवेशकों से हमारी बातचीत चल रही है।हिंद महासागर के बीचो बीच यूरोप की मौजूदगी गाउलामाले का कहना है कि अपने डाटा हब यानी डाटा केंद्र के रूप में रियूनियन द्वीप को चुनने के लिए इंटरनेट कंपनियों को ज्यादा दिमाग खपाने की जरूरत नहीं है। दुनिया में इनदिनों पांच बड़े डाटा केंद्र हैं, दो अमेरिका में, दो एशिया में और एक फ्रांसीसी शहर मारसे में स्थित है। लेकिन हिंद महासागर में एक खालीपन है, और रियूनियन द्वीप उस मुकम्मल तौर पर भर सकता है।आखिरकार ये द्वीप है यूरोप का हिस्सा ही।उनके मुताबिक 'इसका मतलब ये है कि कंपनियां डाटा सुरक्षा के मुद्दे पर यूरोपीय पैमानों पर भरोसा कर सकती हैं। इसके अलावा उन्हें बड़ा ही काबिल स्टाफ मिलेगा और बेहतरीन स्वास्थ्य देखरेख मिलेगी।

चीन ने तोड़ दी बुद्ध की विशाल मूर्ति, मुंह खोलने पर तिब्बती भिक्षुओं को जबरन पीटा

बीजिंग (एजेंसी)

चीनी तानाशाही फिर दुनिया के सामने उजागर हो गई है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि सिचुआन प्रक्षेत्र में चीनी प्रशासन ने कई तिब्बती भिक्षुओं को गिरफ्तार कर उनकी पिटाई कर दी है। दरअसल हाल ही में चीन ने भगवान बुद्ध की विशाल प्रतिमा को तोड़ दिया है। चीनी अधिकारियों को शक था कि उसकी इस करतूत के बारे में तिब्बती भिक्षुओं ने बाहरी लोगों को बताया है। जिसके बाद इसी संदेह में आकर उसने तिब्बती भिक्षुओं के साथ यह बर्बरता की है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि देश के लुओ काउंटी (ड्रैगो) में 99 फुट लंबे बुद्ध की मूर्ति को नष्ट कर दिया गया है। तिब्बती सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट में बताया है कि चीनी अधिकारियों ने दिसंबर के महीने में इस मूर्ति को यह कहते हुए नष्ट कर दिया कि यह काफी ज्यादा लंबा है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि स्थानीय तिब्बती भिक्षुओं को जबरन इस कार्रवाई को दिखाया गया। दरअसल चीन तिब्बत के राष्ट्रीय संस्कृति को जड़ से उखाड़ फेंकना चाहता है, और इसी अभियान के तहत ऐसा किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक ड्रागो के गाडेन नम्यगाल मठ से अब तक 11 भिक्षुओं को गिरफ्तार कर लिया गया है। इन सभी पर आरोप है कि इन्होंने प्रतिमा को नष्ट करने का वीडियो और फोटो प्रक्षेत्र के बाहर शेयर किया है। कहा जा रहा है कि मठ से अबोट पेल्गा, उनके सायक नियामा और भिक्षु ताशी डोर्जे को हिरासत में लिया गया है। चीनी यह बात भी निकलकर सामने आई है कि इनकी बेरहमी से पिटाई की गई है और जेल में इन्हें खाना तक नहीं दिया गया।

ओमिक्रोन के बाद आया डेल्टाक्रोन वैरिएंट, संक्रमण का पहला मामला

निकोसिया। (एजेंसी)

कोरोना के एक के बाद एक सामने आ रहे नए वैरिएंट ने पूरी दुनिया की नींद उड़ा दी है। दूसरी लहर में भारत और दुनिया को बुरी तरह प्रभावित करने वाले डेल्टा वैरिएंट से उबरने के बाद इनदिनों ओमिक्रोन वैरिएंट का खतरा मंडराया हुआ है,लेकिन अब एक और वैरिएंट सामने आया है, जिसे 'डेल्टाक्रोन' कहा जा रहा है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि साइप्रस में एक नया कोरोना वैरिएंट डेल्टाक्रोन उभरा है।एक रिपोर्ट में कहा गया है कि डेल्टाक्रोन का जेनेटिक बैकग्राउंड डेल्टा वैरिएंट के समान है, साथ ही इसमें ओमिक्रोन जैसे कुछ म्यूटेशन भी हैं,इसकारण इस डेल्टाक्रोन कहा गया है।हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि यह चिंता की बात नहीं है। कुल मिलाकर साइप्रस में लिए गए 25 नमूनों में ओमिक्रोन के 10 म्यूटेशन पाए गए। 11 नमूने उन लोगों के थे, जो वायरस के कारण अस्पताल में भर्ती थे, जबकि 14 सामान्य आबादी से आए थे।

साइप्रस विश्वविद्यालय में जैव प्रौद्योगिकी और आणविक वायरोलॉजी की प्रयोगशाला के प्रमुख डा लियोनडिओस कोस्त्रिकिस ने कहा कि अस्पताल में भर्ती रोगियों के बीच म्यूटेशन की तीवता अधिक थी। यह नए वैरिएंट और अस्पताल में भर्ती होने के बीच संबंध की इशारा करता है।

कोस्त्रिकिस ने इसपर जोर दिया कि वैरिएंट का डेल्टा वैरिएंट के समान जेनेटिक बैकग्राउंड है। साथ ही ओमिक्रोन से कुछ म्यूटेशन भी हैं। साइप्रस के स्वास्थ्य मंत्री मिखलिस हाडजीपांडेलस ने कहा कि नया वैरिएंट फिलहाल चिंता की बात नहीं है। मंत्री ने नए वैरिएंट की खोज पर भी गर्व व्यक्त किया। डा.कोस्त्रिकिस की टीम के अभूतपूर्व शोध और निष्कर्ष हमें अपने वैज्ञानिकों पर गर्व कराते हैं। जेरूसलम पोस्ट के अनुसार, मंत्री ने यह भी कहा कि यह शोध स्वास्थ्य के मामलों में हमारे देश साइप्रस को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रखता है। वैसे अब तक नए वैरिएंट के वैज्ञानिक नाम की घोषणा नहीं की गई है।

अमेरिका ने यूक्रेन को लेकर रूस को दी चेतावनी

वाशिंगटन (एजेंसी)

अमेरिका में जो बाइडन प्रशासन ने रूस को नयी जोरदार चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर रूस, यूक्रेन पर हमला करने की दिशा में आगे बढ़ता है तो उस पर प्रतिबंध लगाए जाएंगे। अमेरिकी अधिकारियों ने यूरोप में अमेरिका की भविष्य की रणनीति की स्थिति के बारे में निर्णयों में लगातार बदलाव की संभावना जताई है। लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि अगर रूस यूक्रेन में हस्तक्षेप करता है तो उसे प्रतिबंधों का सामना करना पड़ेगा।

अधिकारियों ने कहा कि प्रशासन यूक्रेन में भविष्य में मिसाइलों की संभावित तैनाती को कम करने और पूर्वी यूरोप में अमेरिका और नाटो के सैन्य अभ्यासों को सीमित करने पर रूस के साथ चर्चा के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि रूस को यूक्रेन में हस्तक्षेप करने पर आर्थिक प्रतिबंधों का सामना करना होगा।

इनमें रूसी संस्थाओं पर प्रत्यक्ष प्रतिबंधों के अलावा अमेरिका से रूस को निर्यात किए जाने वाले उत्पादों और विदेश निर्मित उत्पादों पर महत्वपूर्ण प्रतिबंध शामिल हो सकते हैं जो संभावित रूप से अमेरिकी क्षेत्राधिकार में आते हैं। यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब यूक्रेन को लेकर बढ़ते तनाव के बीच सोमवार को स्विट्जरलैंड में वरिष्ठ अमेरिकी और रूसी अधिकारियों की बैठक होनी है। अधिकारियों ने कहा कि अमेरिका उन वार्ताओं में अपने यूरोपीय सुरक्षा रुख के कुछ सीमित पहलुओं पर चर्चा करने को तैयार है।

उन्होंने कहा कि इस बात की कोई संभावना नहीं है कि रूस की मांग के अनुरूप अमेरिका पूर्वी यूरोप में अपनी सैन्य उपस्थिति या हथियारों को कम करेगा। ऊर्जा और उपभोक्ता वस्तुओं पर प्रतिबंधों के अलावा अमेरिका और उसके सहयोगी अमेरिकी उपकरणों का उपयोग करने वाले उन्नत इलेक्ट्रॉनिक पुरजों, सॉफ्टवेयर और संबंधित प्रौद्योगिकी के रूस को निर्यात पर प्रतिबंध लगाने पर विचार कर रहे हैं। अधिकारियों ने कहा कि निर्यात नियंत्रण उद्देश्यों के लिए रूस को क्यूबा, ईरान, उत्तर कोरिया और सीरिया के साथ प्रतिबंधात्मक समूह में शामिल किया जा सकता है।

इसका मतलब यह होगा कि इस क्षेत्र में अमेरिका का सॉफ्टवेयर, प्रौद्योगिकी और उपकरणों में वैश्विक प्रभुत्व होने के कारण, एकीकृत सर्किट और एकीकृत सर्किट वाले उत्पादों को प्राप्त करने की रूस की क्षमता गंभीर रूप से प्रभावित होगी, जिसका असर एयरक्राफ्ट एवियोनिक्स, मशीन टूल्स, स्मार्टफोन, गेम कंसोल, टैबलेट और टीवी तक हो सकता है। इस तरह के प्रतिबंध महत्वपूर्ण रूसी उद्योग को भी लक्षित कर सकते हैं, जिसमें इसके रक्षा और नागरिक उड्डयन क्षेत्र शामिल हैं, जो रूस की कृत्रिम बुद्धि या क्वांटम कंप्यूटिंग में उच्च-तकनीकी महत्वाकांक्षाओं को प्रभावित करेगा। जिनेवा में अमेरिका और रूस के बीच सोमवार को होने वाली सामरिक और सुरक्षा वार्ता से पहले एक अधिकारी ने शनिवार को कहा, 'हमें लगता है कि हम कम से कम रूसियों के साथ प्रगति की संभावना तलाश सकते हैं।' सोमवार की बैठक के बाद बुधवार को रूस और नाटो के सदस्यों के बीच और बृहस्पतिवार को यूरोपीय लोगों के साथ चर्चा होगी।

पाकिस्तान के मरी में भीषण बर्फबारी की वजह से जान गंवाने वालों की संख्या 23 हुई

जोहानिसबर्ग। (एजेंसी)

लाहौर। पाकिस्तान के प्रसिद्ध पहाड़ी पर्यटन स्थल मरी में भीषण बर्फबारी के कारण जान गंवाने वाले लोगों की संख्या रविवार को 23 पहुंच गई। एक बच्ची की गंभीर जुकाम और निमोनिया की वजह से मौत हो गई। उसे वक्त पर अस्पताल नहीं पहुंचाया जा सका। पंजाब प्रांत के रावलपिंडी के मरी शहर में बड़ी संख्या में सैलानी पहुंचे थे और इस बीच भीषण बर्फबारी हो गई जिससे गाड़ियां फंस गईं और प्रशासन बेबस हो गया। इस घटना में 10 बच्चों समेत 23 लोगों की मौत हो गई। सूत्रों ने बताया कि चार वर्षीय बच्ची की मौत झीका गली में हुई। उसे गंभीर जुकाम और निमोनिया हो गया था। उन्होंने बताया कि उसे वक्त पर अस्पताल नहीं पहुंचा जा सका जिससे उसकी मौत हो गयी।

बचाव अधिकारियों ने जियो न्यूज को बताया कि अब तक कम से कम 23 लोगों की मौत हो गई है वहीं गाड़ियां कई फुट जमी बर्फ में फंसी हुई हैं। गृह मंत्री शेख रशीद अहमद ने एक बयान में मृतकों की संख्या की पुष्टि की। मंत्री ने कहा कि हालात को सिर्फ प्राकृतिक आपदा कहा जा सकता है और इस क्षेत्र में अत्यधिक बर्फबारी हुई है। उन्होंने कहा कि बर्फबारी के कारण कारें मरी नहीं जा सकीं तो लोगों ने पैदल ही चलना शुरू कर दिया और वे बर्फ के कारण चल नहीं सकें। मंत्री के मुताबिक मौतों का कारण 'दम घुटना' है। राजनीतिक संचार पर प्रधानमंत्री के सहयोगी शाहबाज गिल ने कहा कि जब भारी बर्फबारी होने लगी तो लोगों ने अपनी कारों को सड़कों पर ही छोड़ दिया और होटलों में शरण लेने के लिए चल दिए जिससे यातायात जाम हो गया।

उन्होंने कहा, 'प्रशासन गाड़ियों को सड़कों से हटाने की कोशिश कर रहा है ताकि रास्ता साफ किया जा सके।' संघीय सूचना और प्रसारण मंत्री फवाद चौधरी ने कहा कि अप्रत्याशित बर्फबारी और रिकॉर्ड संख्या में सैलानियों के पहुंचने से स्थानीय प्रशासन के लिए स्थिति को संभालना नामुमकिन हो गया। उन्होंने कहा कि प्रभावित क्षेत्रों से लोगों को निकालने की प्रक्रिया चल रही है और पूरे देश ने बेशकीमती इंसानी जान के नुकसान पर दुख जताया है। पंजाब पुलिस ने रविवार को कहा कि आपदा प्रभावित मरी में पिछले 24 घंटों में 500 से ज्यादा परिवारों को बचाया गया और सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया। पंजाब पुलिस के प्रवक्ता ने बताया, 'रात होने से पहले सभी सैलानियों को बचा लिया गया और सुरक्षित जगहों पर ले जाया गया।' 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' ने खबर दी है कि पंजाब के मुख्यमंत्री सरदार उस्मान बुजदार रविवार को बर्फबारी से प्रभावित इलाकों का दौरा करेंगे। बुजदर ने कहा, 'मरी में हुई दुखद घटना से हर पाकिस्तानी दुखी है। पंजाब सरकार की मृतकों के परिवारों के साथ पूरी सहानुभूति है।' मौसम विभाग ने पांच जनवरी को अलर्ट जारी किया था कि भारी बर्फबारी के कारण छह से नौ जनवरी की दोपहर तक मरी, गलियत, नथियागली, कगन, नारन और अन्य इलाकों में सड़कें बंद हो सकती है।

'डॉन' अखबार के मुताबिक, इसके बावजूद संबंधित विभागों ने कोई कदम नहीं उठाए। मरी में पांच जनवरी (बुधवार) को 6.5 इंच बर्फबारी हुई। इसके बाद अगले दिन 8.5 इंच जबकि सात जनवरी (शुक्रवार) की सुबह से शनिवार सुबह तक 16.5 इंच बर्फबारी हुई। मौसम विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि मरी में सामान्य तौर पर इतनी बर्फबारी होती है। प्रधानमंत्री इमरान खान ने शनिवार को कहा कि मरी जाने वाले रास्ते पर पर्यटकों की मौत की घटना से वह स्तब्ध और दुखी हैं। खान ने ट्वीट किया, 'जबरदस्त बर्फबारी और मौसम की स्थिति जाने बिना भारी संख्या में पर्यटकों के आने से जिला प्रशासन तैयारी नहीं कर सका। जांच के आदेश दिए गए हैं और इस तरह की त्रासदी दोबारा न हो, इसके लिए कड़े नियम बनाये जा रहे हैं।' पंजाब सरकार ने भारी हिमपात के बाद शनिवार को मरी को आपदा प्रभावित क्षेत्र घोषित कर दिया। विपक्षी राजनीतिक नेताओं ने सैलानियों

की आमद से निपटने और अपर्याप्त तैयारी को लेकर सरकार की आलोचना की है। कौमी (राष्ट्रीय) असेंबली में विपक्ष के नेता और पीएमएल-एन के अध्यक्ष शहबाज शरीफ ने कहा कि वह मरी में हुई त्रासदी से दुखी हैं और उन्होंने सवाल किया कि मौतों के लिए कौन जिम्मेदार है? पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की बेटी और पीएमएल-एन की उपाध्यक्ष मरियम नवाज ने आरोप लगाया कि सरकार की लापरवाही की वजह से बर्फबारी में ये मौतें हुई हैं।

सुविचार विश्व एक व्यायामशाला है, जहां हम खुद को मजबूत बनाने के लिए आते हैं। - स्वामी विवेकानंद

संपादकीय

फिर लाख पार

ऐसे वक्त में जब देश टीकाकरण का डेढ़ सौ करोड़ का आंकड़ा छूने के करीब है, एक बार फिर देश में एक दिन में एक लाख से अधिक लोग संक्रमित होने लगे हैं। बीते साल अप्रैल में संक्रमण ने एक लाख का आंकड़ा छुआ था। पांच दिन में संक्रमण दुगना होना नये वेरिएंट ओमीक्रोन की संक्रमण क्षमता को दर्शाता है। देश के तमाम प्रयासों के बीच विचलित करने वाली खबर यह है कि शुक्रवार को दूसरे दिन भी इटली से अमृतसर आई फ्लाइट में डेढ़ सौ लोग जांच में संक्रमित पाये गये। बृहस्पतिवार को भी 125 लोग संक्रमित पाये गये थे। कैसे कोई देश बिना जांच के लोगों को यात्रा करने की अनुमति दे रहा है। कैसे एयरलाइंस संक्रमितों को सफर का मौका दे रही है? ऐसी लापरवाहियां ही देश को मुश्किल में डाल रही हैं। इससे देश में कोरोना विस्फोट की स्थितियां बन रही हैं और देश के तमाम प्रयासों को पलीता लगा रही हैं। देश में फिर से कोरोना संक्रमण के मामले सामने आने का रिकॉर्ड टूटने लगा है। अब तो विशेषज्ञ भी मानने लगे हैं कि देश तीसरी लहर के भंवर में फंस चुका है। अच्छी बात है कि जान गंवाने वालों का आंकड़ा नहीं बढ़ा है और अस्पतालों पर अभी पहले जैसा दबाव नहीं है। केंद्र सरकार लगातार राज्य सरकारों को निर्देश दे रही है। राज्यों को भी गंभीरता दिखाने की जरूरत है। विभिन्न राज्यों में नाइट कर्फ्यू, बाजारों में बंदी, आधे कर्मचारियों के साथ कार्यालयों में काम, स्कूल-कालेज बंद करने तथा मास्क को लेकर सख्ती की जा रही है। ऐसे वक्त में जब निजी चिकित्सा-तंत्र का पूरी तरह व्यवसायीकरण हो चुका है कोरोना जांच-उपचार की सरकारी सुविधाओं बढ़ाने की जरूरत है। दिल्ली व महाराष्ट्र में संक्रमण में खासी तेजी आई है और नये मामलों में आधे इन दोनों शहरों से हैं। मुंबई में रोज बीस हजार मामले आने के बाद लॉकडाउन लगाने की बात की जा रही है। वहीं चिंता की बात यह कि नये संक्रमणों में आधे नये वेरिएंट ओमीक्रोन के हैं जो बेहद संक्रामक है। फिक्र यह कि पिछली बार की तरह ही हालात बेकाबू न हो जाएं। अच्छी बात है कि सरकार ने चिकित्सकों, फ्रंटलाइन वर्करों तथा साठ साल से अधिक के असाध्य रोगों से जूझ रहे लोगों को तीसरी सुरक्षा डोज देने के कार्यक्रम की घोषणा की है। वहीं पंद्रह से 18 वर्ष तक के किशोरों को टीका लगाने का कार्यक्रम गति पकड़ रहा है। किशोरों में टीकाकरण को लेकर उत्साह देखते ही बनता है। लेकिन यहां महत्वपूर्ण है कि इस धारणा से मुक्त होना होगा कि नया वेरिएंट ज्यादा घातक नहीं है। ये सोच लापरवाही को बढ़ावा दे सकती है, जिसका खमियाजा अमेरिका जैसे देश भुगत रहे हैं, जहां हर रोज दस लाख तक नये संक्रमण के मामले आये हैं। सावधानी जरूरी है लेकिन इसका मतलब घबराहट नहीं है। सावधानी व हौसलों से इस महामारी का मुकाबला किया जाना चाहिए। हमें दूसरी लहर की तबाही भी याद रखनी है और सावधानी बरतनी है। अनावश्यक रूप से संक्रमण के जोखिम को दावत देने से बचना है। सावधानी के साथ हम अपनी दिनचर्या का पालन कर सकते हैं, इस सत्य को मानते हुए कि देश तीसरी लहर की आंधी की चपेट में आ चुका है। अच्छी बात यह है कि देश में साठ फीसदी से अधिक वयस्क आबादी को दोनों टीके लग चुके हैं जिनके संक्रमण होने की स्थिति में अस्पताल में भर्ती होने की आशंका कम हो जाती है। लेकिन दुनिया में ओमीक्रोन संक्रमितों की मृत्यु की खबरें भी आनी शुरू हो गई हैं, अत- किसी तरह की लापरवाही से बचना चाहिए। जिनकी सेहत पहले से खराब है,उनके लिये चिंता की बात है। यह जानते हुए कि देश में स्वास्थ्य सेवाएं पर्याप्त नहीं हैं और निजी चिकित्सा-तंत्र मुनाफे की ही भाषा समझता है, हमें लापरवाही से स्वास्थ्य-तंत्र पर दबाव नहीं बढ़ाना है। जान के साथ जहान की फिक्र करनी है ताकि फिर देश में पटरी पर लौटती अर्थव्यवस्था न डगमगाए। साथ ही हम वायरस को म्यूटेट न होने दें, अन्यथा नये वेरिएंट का खतरा बना रहेगा।

आज के कार्टून

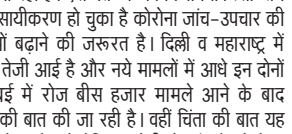

संघर्ष-समर्पण

आचार्य रजनीश ओशो/ जीवन को जीने के दो ढंग हैं-संघर्ष का और दूसरा समर्पण का। संघर्ष का अर्थ है, मेरी मर्जी समग्र की मर्जी से अलग। समर्पण का अर्थ है, मैं समग्र का एक अंग हूं। मेरी मर्जी के अलग होने का कोई सवाल नहीं। मैं अगर अलग हूं, संघर्ष स्वाभाविक है। जब तुम्हारी अपनी कोई चाह नहीं, जब उसकी चाह ही तुम्हारी चाह है। जहां वह ले जाए वही तुम्हारी मंजिल है, तुम्हारी अलग कोई मंजिल नहीं। जैसा वह चलाए वही तुम्हारी गति है, तुम्हारी अपनी कोई आकांक्षा नहीं। तुम निर्णय लेते ही नहीं। तुम तैरते भी नहीं, तुम तिरते हो..। आकाश में कभी देखें! चील बहुत ऊंचाई पर उठ जाती है। फिर पंख भी नहीं हिलाती। फिर पंखों को फैला देती है और हवा में तिरती है। वैसी ही तिरने की दशा जब तुम्हारी चेतना में आ जाती है, तब समर्पण। तब तुम पंख भी नहीं हिलाते। तब तुम उसकी हवाओं पर तिर जाते हो। तब तुम निर्भर हो जाते हो। क्योंकि भार संघर्ष से पैदा होता है। भार प्रतिरोध से पैदा होता है। जितना तुम लड़ते हो उतना तुम भारी हो जाते हो, जितने भारी होते हो उतने नीचे गिर जाते हो। जितना तुम लड़ते नहीं उतने हल्के हो जाते हो, जितने हल्के होते हो उतने ऊंचे उठ जाते हो। और अगर तुम पूरी तरह संघर्ष छोड़ दो तो तुम्हारी वही ऊंचाई है, जो परमात्मा की। ऊंचाई का एक ही अर्थ है-निर्भर हो जाना। और अहंकार पत्थर की तरह लटका है तुम्हारे गले में। जितना तुम लड़ोगे उतना ही अहंकार बढ़ेगा। ऐसा हुआ कि नानक एक गांव के बाहर आ कर ठहरे। वह गांव सूफियों का गांव था। उनका बड़ा केंद्र था। वहां बड़े सूफी थे, गुरु थे। पूरी बस्ती ही सूफियों की थी। खबर मिली सूफियों के गुरु को, तो उसने सुबह ही सुबह नानक के लिए एक कप में भर कर दूध भेजा। दूध लबालब था। एक बूंद भी और न समा सकती थी। नानक गांव के बाहर ठहरे थे एक कुएं के तट पर। उन्होंने पास की झाड़ी से एक फूल तोड़ कर उस दूध की प्याली में डाल दिया। फूल तिर गया। फूल का वजन क्या! उसने जगह न मांगी। वह सतह पर तिर गया। और प्याली वापस भेज दी। नानक का शिष्य मरदाना बहुत हैरान हुआ कि मामला क्या है? उसने पूछा कि मैं कुछ समझा नहीं। क्या रहस्य? यह हुआ क्या? नानक ने कहा कि सूफियों के गुरु ने खबर भेजी थी कि गांव में बहुत ज्ञानी हैं, अब और जगह नहीं। मैंने खबर वापस भेज दी है कि मेरा कोई भार नहीं है। मैं जगह मांगूगा ही नहीं, फूल की तरह तिर जाऊंगा।

प्रधानमंत्री की सुरक्षा को गंभीरता से न लेना पड़ सकता है महंगा

- आर.के. सिन्हा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के काफिले को जिस तरह से पिछले दिनों पंजाब के फिरोजपुर के एक फ्लाईओवर के ऊपर बीस मिनट से ज्यादा रुके रहना पड़ा, उससे 1987 की एक घटना याद आ रही है। तमाम वैचारिक मतभेद के बावजूद, उस घटना की भारत के प्रतिपक्ष ने समवेत स्वर में घोर निन्दा की थी। दरअसल, तब राजीव गांधी देश के प्रधानमंत्री थे और उन पर श्रीलंका की यात्रा के दौरान एक गॉर्ड ने हमले का प्रयास किया था। वे हमले में घायल हो गए थे। वे तब गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण कर रहे थे। उस घटना की सारे देश में और सभी दलों के द्वारा तीव्र प्रतिक्रिया हुई थी। लगता है , इन लगभग 55 साल के दौरान भारत बहुत बदल चुका है। राजनीति का स्तर गटर में जा चुका है। मोदी जी के काफिले को लेकर प्रतिपक्ष की ओछी टिप्पणियों ने राजनीतिक धैर्य के जिस असामान्य क्षरण का दृश्य खड़ा किया है, वह एक बड़ी चिन्ता का विषय है। इससे लगता है कि सामान्य लोक-व्यवहार राजनीति से बहुत छोटे हो गये हैं। दूसरी बात यह कि भारत के सबसे बड़े और आदरणीय नायकों में एक शहीद भगत सिंह और उनके साथियों राजगुरु और सुखदेव की समाधि पर जाने को भी वोट बैंक की सियासत से जोड़कर देखने की नीचता की जा रही है। हुसैनीवाला से 30 किलोमीटर पहले प्रधानमंत्री का काफिला एक फ्लाईओवर पर पहुंचा तो पाया गया कि कुछ प्रदर्शनकारियों ने सड़क जाम कर रखी है। प्रधानमंत्री फ्लाईओवर पर 15 से 20 मिनट तक फंसे रहे। बेशक, यह प्रधानमंत्री की सुरक्षा में बड़ी चूक थी। प्रधानमंत्री मोदी हुसैनीवाला में ही तो जा रहे थे। क्या वहां पर जाने को भी चुनाव और वोट से जोड़ कर देखा जाए? जरा बता दीजिए कि वह कौन सा हिन्दुस्तानी होगा, जो फिरोजपुर जाने के बाद भी शहीद भगत सिंह की समाधि पर नहीं जाएगा। कुल मिलाकर माहौल अब बहुत विषाक्त हो चुका है। प्रधानमंत्री मोदी के फिरोजपुर दौरे के समय जो कुछ हुआ, उसे पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिं चन्नी लगातार मामूली घटना बताते हुए उल्टे केंद्र सरकार और भाजपा को बात का बतंगड़ न बनाने की नसीहत देते रहे। वे रैली में भीड़ न होने का हवाला देकर खट्टे अंगूर का किस्सा भी दोहराते रहे। वैसे खुद उनकी पार्टी हाईकमान सोनिया गांधी ने चन्नी को आगाह करते हुए सुरक्षा में चूक के दोषियों पर कार्रवाई का निर्देश देकर चन्नी की दलीलों को कोरी बकवास साबित तो कर ही दिया है। दरअसल, सोनिया गांधी जानती हैं कि अगर इस मसले पर पार्टी चन्नी के साथ खड़ी होती है तो यह बड़ी राजनीतिक भूल होगी। इसके दूरगामी परिणाम उसे सिर्फ सियासी अखाड़े में ही नहीं, बल्कि आम सार्वजनिक जीवन में भी भुगतने पड़ सकते हैं। चन्नी के कुछ अन्य साथियों और पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रह चुके सज्जन जाखड़ ने भी राज्य सरकार की निंदा की है कि राज्य में प्रधानमंत्री का काफिला रोका गया। अब केन्द्र सरकार और पंजाब सरकार ने घटना के कारणों का पता लगाने की लिए जांच कमेटियां नियुक्त कर दी हैं। इसलिए सच जल्दी ही सामने आ जाएगा,ऐसी उम्मीद तो कर ही सकते हैं। इस बीच, सुरक्षा मामलों से लंबे समय तक जुड़े रहने और प्रधानमंत्री सहित कई अन्य विशिष्ट व्यक्तियों की सुरक्षा-व्यवस्था को नजदीक से देखने के मौके मिलने की पृष्ठभूमि में मुझे कई कथित सुरक्षा मामलों के जानकारों के ज्ञान पर तरस ही आ रहा है। वे प्रधानमंत्री मोदी के काफिले को रोके जाने को लेकर अनाप-शनाप बातें कर रहे हैं। पंजाब में प्रधानमंत्री की सुरक्षा में हुई चूक को लेकर सारे देश को चिंतित होना चाहिए। आश्चर्य होता है कि इस विषय पर जिनको न के बराबर जानकारी है, वे भी बोले चले जा रहे हैं। ऐसे लोगों से भगवान देश को बचाये। प्रधानमंत्री मोदी की सुरक्षा में हुई चूक के आलोक में यह बताना जरूरी है कि अगर प्रधानमंत्री दिल्ली से बाहर जाते हैं तो उनकी सुरक्षा का दायित्व एसपीजी के साथ ही राज्य पुलिस पर भी होता है। ये दोनों मिलकर ही प्रधानामंत्री की सुरक्षा को सुनिश्चित करते हैं। माना जा सकता है कि भारत के प्रधानमंत्री की सुरक्षा व्यवस्था दुनिया के किसी भी अन्य देश के राष्ट्राध्यक्ष की तुलना में उन्नीस तो नहीं ही होती। प्रधानमंत्री जहां से निकलते हैं, उस रास्ते के चप्पे-चप्पे पर सेकंडों में बुरी नजर रखने वाले या वालों को ढेर करने वाले एसपीजी के कैट कमांडों तैयार होते हैं। ये पलक झपकते ही किसी आतंकी को धूल में मिलाने के लिए सक्षम हैं और तैयार भी रहते हैं। फिर भी, बड़ा सवाल यह है कि पंजाब पुलिस ने प्रधानमंत्री का रूट साफ करके क्यों नहीं रखा, ताकि वे अपने गंतव्य स्थल पर वक्त रहते और बिना किसी अवरोध या व्यवधान के चले जाते। यह काम तो राज्य पुलिस और उससे जुड़े दूसरे विभागों का था। इस सामान्य काम को करने में पंजाब पुलिस को दिक्कत कहां से आई? पंजाब सरकार से इस सवाल का जवाब सारा देश मांग रहा है। चन्नी जी के यह कहने भर से बात नहीं बनेगी कि पंजाब के लोग भी देश भक्त हैं। वे अकारण भावनाओं को भड़काने की चेष्टा कर रहे हैं। चन्नी जी, यह मत भूलिए कि आप उस राज्य के मुख्यमंत्री हैं, जिसने 1980 और 1990 के दशकों में हजारों लोगों का खून बहता हुआ देखा है। पंजाब को अस्थिर करने की पड़ोसी पाकिस्तान से लेकर कनाडा में बैठे भारत विरोधी तत्व सदैव तैयार ही बैठे रहते हैं। उन्हें सजग और सतर्क रहना होगा। उन्हें पता ही होगा कि सिख गुरुओं के पंजाब को तबाह करने की बार-बार चेष्टा होती रही है। इसलिए वे इसपर सियासत करने की भूल न करें। जिस देश के दो प्रधानमंत्री और कई मुख्यमंत्री तथा सेनाध्यक्ष तक आतंकवाद का शिकार हो गए हों, वहां पर प्रधानमंत्री के काफिले के 20 मिनट तक फंसे होने को गंभीरता से न लेना मूर्खता होगी। प्रधानमंत्री किसी दल का नहीं होता। वह सारे देश का होता है। अगर हम अपने प्रधानमंत्री के काफिले के रूट को भी आंदोलनकारियों से मुक्त नहीं रखेंगे तो फिर बड़ी दिक्कत हो जाएगी। फिर देश कैसे चलेगा, इस तरफ सबको सोचना होगा। (लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं)

उन आंसुओं के आगे सारे खजाने फीके

सुनील कुमार हेब्बी, डॉक्टर, समाजसेवी

कोरोना की तीसरी लहर अब जब तेज होती जा रही है, तब एक बार फिर देश और समाज डॉक्टरों व चिकित्सा क्षेत्र के पेशेवरों की ओर आशा भरी निगाह से देखने लगा है। लेकिन सुनील कुमार हेब्बी जैसे डॉक्टर तो साल भर लोगों की उम्मीदें थामे रहते हैं। उत्तरी कर्नाटक के बीजापुर जिले में एक अत्यंत पिछड़े गांव में जन्मे सुनील के पिता किसान थे। गांव के पिछड़ेपन का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि सुनील और उनके तीन सहोदरों को प्राथमिक शिक्षा के लिए भी संघर्ष करना पड़ा। पर पिता के परिश्रम और मां के प्रोत्साहन ने उन सब में छुटपन से ही शिक्षा के सहारे भविष्य संवारने की जोत जला दी थी। अपने माता-पिता व गांव के दूसरे लोगों को इलाज के लिए 50 किलोमीटर दूर स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र आते-जाते देख सुनील बचपन से ही डॉक्टर बनने के सपने संजोने लगे थे। सपना बड़ा था। इलाके के कन्नड माध्यम के स्कूल से ही उन्होंने हाई स्कूल की अपनी पढ़ाई पूरी की, लेकिन कभी अपने लक्ष्य पर भाषायी सीमाओं को तारी नहीं होने दिया। बारहवीं के अच्छे नतीजे ने सुनील में माता-पिता के भरोसे को तो मजबूत किया ही, उनके सपनों को भी परवाज दे दिए। आखिरकार बीजापुर के आरके मेडिकल कॉलेज में उन्हें दाखिला मिला। घर की माली हालत अच्छी नहीं थी, उस वक्त शिक्षा-ऋण ने बड़ा सहारा दिया। साल 2007 में एमबीबीएस की डिग्री हासिल कर सुनील ने न सिर्फ गांव में एक मिसाल कायम की, बल्कि उस इलाके के अनगिन किशोरों के प्रेरणास्रोत भी बने। उन्हें अब जल्द से जल्द पढ़ाई के वास्ते लिए गए कर्ज अदा करने थे और परिवार की मदद करनी थी। लेकिन उन दिनों निजी अस्पताल वहां किसी एमबीबीएस को 4,000 रुपये से अधिक भुगतान नहीं करते थे। लिहाजा, सुनील को कई-कई शिफ्ट करनी पड़ती थी, ताकि वह महीने में कुछ ज्यादा धन जुटा सकें। लेकिन अपनी जड़ों से जुड़ाव उन्हें उन व्यस्त दिनों में भी कुछ समय के लिए एक एनजीओं में पहुंचा देता, जहां वह देखा करते कि लोगों को प्राथमिक उपचार के लिए भी कितनी जद्दोजहद करनी पड़ती है। डॉक्टर सुनील ज्यादा से ज्यादा लोगों की मदद करना चाहते थे, मगर उनके पास संसाधनों की कमी थी। एक तरफ, सरकारी स्वास्थ्य केंद्र डॉक्टर, मेडिकल स्टाफ और उपकरणों-दवाओं की कमी के शिकार थे, तो दूसरी तरफ, उनके जैसे लोग चाहकर भी बहुत कुछ नहीं कर पा रहे थे। यह स्थिति सुनील को कभी-कभी बहुत बेचैन कर देती। साल 2010 का वाकया है। वह होसुर-चेन्नई राजमार्ग से गुजर रहे थे। अचानक उनकी नजर सड़क पर तड़पते एक जख्मी युवक पर पड़ी। आसपास कोई नहीं था। सुनील के साथ उस वक्त 'फर्स्टएड बॉक्स' था। प्राथमिक उपचार के बाद वह उसे लेकर पास के हॉस्पिटल पहुंचे और भर्ती कराया। इसके अगले ही दिन एक अनजान नंबर से फोन आया। दूसरी तरफ एक महिला थी। दुआएं बरसाती उस मां ने डॉ सुनील को भोजन पर बुलाया था। उस आवाज में इतनी कृतज्ञता थी कि वह टाल न सके। जब वह उनके घर पहुंचे, तो वहां के हालात देख उनका हृदय पिघल उठा। हाथ जोड़े खड़ी बुजुर्ग मां ने बस इतना ही कहा, अगर आपने वक्त पर मेरे बेटे को अस्पताल न पहुंचाया होता, तो मेरी दुनिया ही लुट जानी थी। उस मां की आंखों से बहे अश्रु ने सुनील को अजीब शांति पहुंचाई थी। उस दहलीज से बाहर जो डॉक्टर निकला, वह नए संकल्प से युक्त था। उन दिनों डॉ सुनील बीजीएस ग्लोबल हॉस्पिटल में कार्यरत थे। साल 2011 में नौकरी छोड़ उन्होंने गरीबों के इलाज के लिए मातृ सीरी फाउंडेशन की नींव रखी। डॉ सुनील ने अपनी कार को ही मोबाइल क्लिनिक में तब्दील कर दिया। उसमें व्हील चेयर, पोर्टेबल टेबल, ईसीजी मशीन, ग्लूकोमीटर, थर्मोमीटर, ब्लड प्रेशर जांचने की मशीन आदि रख वह घूम-घूमकर इलाज करने लगे। डॉ सुनील सिर्फ उन्हीं लोगों से इलाज के पैसे लेते हैं, जो यह कहते हैं कि वे फीस चुका सकते हैं। उनकी इस दरियादिली का असर साथी डॉक्टरों और इलाके के दीगर मेडिकल पेशेवरों पर पड़ना ही था। वे डॉ सुनील को दवाओं और उपकरणों से मदद करने लगे, ताकि वह ज्यादा से ज्यादा अशक्त लोगों की सेवा कर सकें। बेंगलुरु और आसपास के इलाकों में उनके द्वारा अब तक 800 से अधिक मेडिकल शिविरों का आयोजन किया जा चुका है, जिनके जरिये लगभग एक लाख लोग चिकित्सा लाभ उठा चुके हैं। पिछली मई में कोविड के कारण अपने भतीजे को खोने के बाद परिजन उनसे कुछ दिन घर में ही रहने का अनुरोध कर रहे थे, लेकिन सुनील अगले ही दिन मोबाइल क्लिनिक लेकर निकल पड़े किसी और बच्चे को बचाने। कई पुरस्कारों से सम्मानित डॉ सुनील के लिए सबसे बड़ा पुरस्कार है, किसी बेबस गरीब रोगी के चेहरे पर लौटी मुस्कान!

प्रस्तुति - चंद्रकांत सिंह

सू-दोकू नवताल -2015

	6	2	3	4		7	5	
1					5	6		
5	7						4	
				9	4	8		
4								6
		5	8	3				
	3						9	1
		6	4					7
	5	9		8	3	2	6	

सू-दोकू -2014 का हल

5	9	7	1	2	3	6	8	4
6	4	3	8	5	7	9	1	2
8	1	2	9	6	4	3	7	5
3	6	9	2	7	1	5	4	8
4	2	8	5	3	9	1	6	7
1	7	5	6	4	8	2	3	9
9	3	1	7	8	2	4	5	6
7	5	4	3	9	6	8	2	1
2	8	6	4	1	5	7	9	3

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

बायें से दायें:-

1. अभिषेक बच्चन, सुनील शेट्टी, ऐश्वर्या राय, शबाना की 'बहका दिया हमें' गीत वाली फिल्म-4,2
4. 'दोस्ती हो गई रे' गीत वाली सुनील शेट्टी, सुष्मिता सेन, नम्रता शिरोडकर की फिल्म-3
6. 'छोड़ो मुझे छोड़ो' गीत वाली फिल्म 'जानू' में जैकी श्रॉफ के साथ नायिका कौन थी-2
7. 'दिल खुश है आज उनसे' गीतवाली सुनील दत्त, मीना कुमारी अभिनीत फिल्म-3
9. 'तेरी दोस्ती में मिला है' गीत वाली फिल्म 'प्यार का साया' में राहुल राय के साथ नायिका-2
11. एम.एफ हुसैन की फिल्म 'गजगामिनी' में मुंशी प्रेमचंद की 'निर्मला' की भूमिका किसने की-3
13. राजेंद्र कुमार, बबीता की 'रिमझिम के गीत सावन गाए' गीत वाली फिल्म-4
14. 'रामजी की निकली सवारी' गीत वाली फिल्म-4
16. 'ए जिंदगी गले लगा ले' गीत वाली फिल्म-3
18. मिथुन चक्रवर्ती, आयशा जुल्का अभिनीत फिल्म-3
20. 'कभी शाम ढले तू मेरे दिल में' गीत वाली फिल्म-2
21. दिलीप कुमार, वैजयंतीमाला अभिनीत फिल्म-3
23. अनिल कपूर, माधुरी दीक्षित की 'एक बात मान लो तुम' गीतवाली फिल्म-2
27. 'फूल सा चेहरा चांद सी रंगत' गीत वाली प्रदीप कुमार, नर्गिस की फिल्म-2,2,2
28. देव आनंद, गिरीश कर्नाड, टीना मुनीम की 'आवाज सुरीली का जादू' गीत वाली फिल्म-5

फिल्म वर्ग पहेली- 2015

ऊपर से नीचे:-

1. 'सच्चा प्यार तो झुक नहीं सकता' गीत वाली सतीश, सुभाष घई, अर्चना की फिल्म-3
2. जतिन ग्रेवाल, यश पाठक, नेहा की 'चलती है पुरवाई' गीत वाली फिल्म-3
3. फरदीन खान, सेलिना जेटली की फिल्म-4
4. 'काश तुम मुझसे एक बार' गीत वाली फिल्म-3
5. 'रंग चला बहार चली' गीत वाली राजेश खन्ना, ऋषिकपूर, पूनम ढिल्लो की फिल्म-3
8. अमिताभ, विनोद खन्ना, सायरा बानो की 'तुम भी चलो हम भी चलें' गीत वाली फिल्म-3
10. 'करोगे याद तो हर बात याद आएगी' गीत वाली फारूख शेख, नसीरुद्दीन शाह, स्मिता पाटिल की फिल्म-3
12. अक्षय कुमार, रवीना टण्डन की फिल्म-3
13. फिल्म 'पुष्पक' में कमल हासन की नायिका-3
14. प्रदीप कुमार, कल्पना की 'जिस दिल में बसा था प्यार तेरा' गीत वाली फिल्म-3
15. 'उड़ जा काले कावां' गीत वाली फिल्म-3
16. नसीरुद्दीन, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की 'ये उजली चांदनी जब' गीत वाली फिल्म-2
17. शशि कपूर, शर्मिला टैगोर की फिल्म-2,2
19. 'आइए, आ जाइए, आ ही जाइए' गीतवाली फिल्म-2
20. 'मेरा सेहरा तू है सनम' गीत वाली फिल्म-2
22. सनी देओल, मीनाक्षी शेशाद्रि की 'मैं ने कहा तुम ने सुना' गीत वाली फिल्म-3
24. 'चढ़ती जवानी मेरी चाल मस्तानी' गीत वाली फिल्म-3
25. फिल्म 'अजूबा' में 'शहजादी हिना' की भूमिका किसने की थी-3
26. 'तू लाली है सवेरे वाली' गीत वाली विनोद मेहरा, सायरा बानो की फिल्म-3
27. फिल्म 'शर्मिली में शशि कपूर के साथ नायिका कौन थी-2

फिल्म वर्ग पहेली-2014

अ	नी	ता		डो	र		बे	ना	म
नु		रा	का		वी	र	ता		म
म	दं		श	बा	ना		ब	बी	ता
लि		ता		जी		सु		ना	
क	भी	क	भी		सु	हा	ग	रा	त
	गी	त		चि	त्र	ग		य	
गो	वि		दी		ग		चि		ह
	त	क	दी	र		ई	त	का	म
ज		री		त	ब्बू		चो		रा
या	रा	ना		न		अ	र	बा	ज

शिव-शम्भो एक शक्ति, एक मंत्र, एक विज्ञान

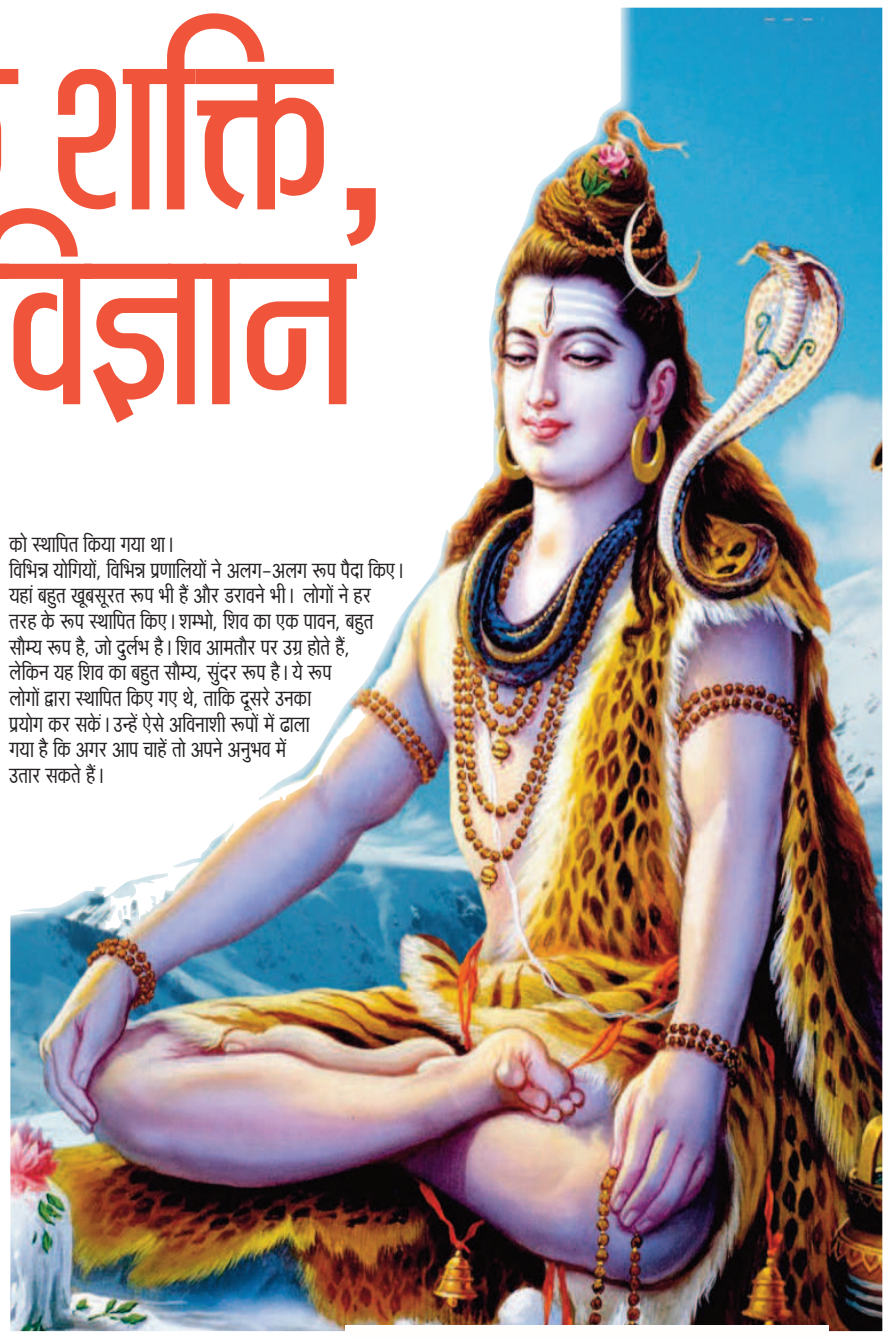

जीवन की बहुत गहन समझ के साथ हम उस ध्वनि या शब्द तक पहुंचे हैं, जिसे हम 'शिव' कहते हैं। शिव का मानवीकरण और इनकी कहानी सिर्फ आपको उनके कई आयामों के बारे में समझाने के लिए है। हम जानते हैं कि इस ध्वनि का आपके ऊपर असाधारण असर हो सकता है। यदि आप में किसी चीज को ग्रहण करने की अच्छी क्षमता है तो यह ध्वनि- शिव -आपके लिए विस्फोटक की तरह काम कर सकती है। सिर्फ एक उच्चरण आपके भीतर बहुत शक्तिशाली तरीके से विस्फोट कर सकता है। इस ध्वनि में इतनी शक्ति है। यह एक विज्ञान है, जिसे हमने बहुत गहन अनुभव से समझा है। हमने बहुत गहराई से उसे देखा है।

शिव में 'शि' ध्वनि का अर्थ मूल रूप से शक्ति या ऊर्जा होता है। भारतीय जीवनशैली में हमने हमेशा से स्त्री गुण को शक्ति के रूप में देखा है। मजेदार बात यह है कि अंग्रेजी में भी स्त्री के लिए 'शी' शब्द का ही इस्तेमाल किया जाता है। 'शि' का मूल अर्थ शक्ति या ऊर्जा जरूर है, लेकिन यदि आप सिर्फ 'शि' का बहुत अधिक जाप करेंगे तो वह आपको असंतुलित कर देगा। इसलिए इस मंत्र को मंद करने और संतुलन बनाए रखने के लिए उसमें 'व' जोड़ा गया। 'व' वाम से लिया गया है, जिसका अर्थ है प्रवीणता।

'शि-व' मंत्र में एक अंश उसे ऊर्जा देता है और दूसरा उसे संतुलित या नियंत्रित करता है। दिशाहीन ऊर्जा का कोई लाभ नहीं है, वह विनाशकारी हो सकती है। इसलिए जब हम 'शिव' कहते हैं तो हम ऊर्जा को एक खास तरीके से, एक खास दिशा में ले जाने की बात करते हैं।

महामंत्र- 'ऊं नम- शिवाय'

पूरी जागरूकता के साथ किसी मंत्र को बार-बार दोहराना दुनिया के अधिकतर आध्यात्मिक मार्गों की शुरुआती साधना रही है। अधिकतर लोग मंत्र का इस्तेमाल किए बिना अपने भीतर ऊर्जा के सही स्तर तक उठने में असमर्थ होते हैं। मैंने पाया है कि 90 फीसदी लोगों को प्रेरित होने के लिए हमेशा मंत्र की जरूरत पड़ती है। उसके बिना वे अपनी ऊर्जा कायम नहीं रख पाते।

'ऊं नमः शिवाय' वह मूल मंत्र है, जिसे कई सभ्यताओं में महामंत्र माना गया है। इस मंत्र का अभ्यास विभिन्न आयामों में किया जा सकता है। इन्हें पंचाक्षर कहा गया है। इसमें पांच मंत्र हैं। ये पंचाक्षर प्रकृति में मौजूद पांच तत्वों और शरीर के पांच मुख्य केंद्रों के प्रतीक हैं। इन पंचाक्षरों से इन पांच केंद्रों को जाग्रत किया जा सकता है। ये पूरे तंत्र यानी सिस्टम के शुद्धिकरण के लिए बहुत शक्तिशाली माध्यम हैं।

हम इस मंत्र को बहुत अलग-अलग आयामों में देख सकते हैं। फिलहाल, हम इस मंत्र को एक शुद्धिकरण की प्रक्रिया के रूप में इस्तेमाल करना चाहते हैं। साथ ही हम ध्यान की अवस्था को पाने के लिए इसे एक नींव, एक आधार के रूप में इस्तेमाल करना चाहते हैं। आप 'ऊं नम- शिवाय' का उच्चरण कर सकते हैं। सवाल बस यह है कि क्या आप इसके लिए तैयार हैं? यह किसी व्यक्ति के बारे में नहीं है। आप किसी का आह्वान नहीं कर रहे, बल्कि आप खुद को विलीन करना चाहते हैं।

अगर आपके अंदर एक खास तरह की तैयारी नहीं है तो बेहतर होगा कि आप इस मंत्रोच्चरण को खूब ध्यान से सुनें, खुद मंत्रोच्चरण न करें। शिव के एक महत्वपूर्ण पहलू को 'शम्भो' नाम से जाना जाता है। आमतौर पर शम्भो, जो मूल ऊर्जा का ही एक पहलू है, की आराधना आध्यात्मिक लोगों द्वारा की जाती है। शम्भो शब्द का अर्थ है- 'वह, जो पावन है'। आपके साथ जो सबसे पावन या शुभ बात घटित हो सकती है, वो है आपका आत्मबोध यानी अपने भीतर की चरम ऊंचाई को छू पाना।

दुर्भाग्यवश हम सोचते हैं कि शादी करना बहुत शुभ है, नौकरी में तरक्की पाना बहुत शुभ है, नया घर बनाना बहुत शुभ है। लेकिन आपके जीवन में आपके लिए सबसे शुभ बात तो यह हो सकती है कि आप अपने अंदर ऊंचाई के चरम को छुएं। शम्भो, शिव का वह रूप है, जिसमें हम उन्हें आसानी से यहां अपने पास बुला सकते हैं। उस रूप में वह किसी और रूप से अधिक बेहतर तरीके से हमें जवाब देते हैं।

कुछ खास प्रणालियों में लोग शक्तिशाली रूपों के सृजन में महारत हासिल कर लेते हैं। आपने इस तरह की बातें सुनी होंगी कि रामकृष्ण परमहंस काली को अपने हाथों से खाना खिलाते थे और वह खाती थीं। यह सौ फीसदी सच्चाई है। एक तार्किक और विचारवान दिमाग को यह पूरी तरह बकवास लग सकता है। उसे लग सकता है कि वह जरूर मतिभ्रम में रहे होंगे। यह मतिभ्रम नहीं था, बात सिर्फ इतनी है कि उनकी चेतनता इतनी सघन और दृढ़ थी कि वह जिस रूप में पूजा करते थे, उसका वहीं सृजन हो जाता था। आप काली को चाहते हैं, काली यहां हैं। आप जो भी चाहते हैं, वह यहीं पर पैदा हो जाएगा, क्योंकि काफी समय पहले साधना के लिए इन रूपों को स्थापित किया गया था।

विभिन्न योगियों, विभिन्न प्रणालियों ने अलग-अलग रूप पैदा किए। यहां बहुत खूबसूरत रूप भी हैं और डरावने भी। लोगों ने हर तरह के रूप स्थापित किए। शम्भो, शिव का एक पावन, बहुत सौम्य रूप है, जो दुर्लभ है। शिव आमतौर पर उग्र होते हैं, लेकिन यह शिव का बहुत सौम्य, सुंदर रूप है। ये रूप लोगों द्वारा स्थापित किए गए थे, ताकि दूसरे उनका प्रयोग कर सकें। उन्हें ऐसे अविनाशी रूपों में ढाला गया है कि अगर आप चाहें तो अपने अनुभव में उतार सकते हैं।

भगवान श्रीकृष्ण धन्य हैं, उनकी लीलाएं धन्य हैं और इसी प्रकार वह भूमि भी धन्य है, जहां वह त्रिभुवनपति मानस रूप में अवतरित हुए और ब्रजभूमि जहां उन्होंने वे परम पुनीत अनुपम अलौकिक लीलाएं कीं।

जहां कृष्ण ने की अनेक लीलाएं..

हिंदुस्थान में अनेक तीर्थ स्थान हैं, सबका महात्म्य है, भगवान के और-और भी जन्मस्थान हैं पर यहां की बात ही कुछ निराली है। यहां के नगर-ग्राम, मठ-मंदिर, वन-उपवन, लता-कुंज आदि की अनुपम शोभा भिन्न-भिन्न ऋतुओं में भिन्न-भिन्न प्रकार से देखने को मिलती है। अपनी जन्मभूमि से सभी को प्रेम होता है फिर वह चाहे खुला खंडहर हो और चाह सुरम्य स्थान, वह जन्मस्थान है, यह विचार ही उसके प्रति होने के लिए पर्याप्त है। इसी से सब प्रकार से सुंदर द्वारका में वास करते हुए भी भगवान श्रीकृष्ण जब ब्रज का स्मरण करते थे, तब उनकी कुछ विचित्र ही दशा हो जाती थी।

जब ब्रज भूमि के वियोग से स्वयं ब्रज के अधीश्वर भगवान श्रीकृष्ण का ही यह हाल हो जाता है, तब फिर उस पुण्यभूमि की रही-सही नैसर्गिक छटा के दर्शन के लिए, उस छटा के लिए जिसकी एक झांकी उस पुनीत युग का, उस जगद् गुरु का, उसकी लौकिक रूप में की गई अलौकिक लीलाओं का अद्भुत प्रकार से स्मरण कराती, अनुभव का आनंद देती और मलिन मन-मंदिर को सर्वथा स्वच्छ करने में सहायता प्रदान करती है, भावुक भक्त तरसा करते हैं। इसमें आश्चर्य ही क्या है? नैसर्गिक शोभा न भी होती, प्राचीन लीलाचिह्न भी न मिलते होते तो भी केवल साक्षात् परब्रह्म का यहां विग्रह होने के नाते ही यह स्थान आज हमारे लिए तीर्थ था, यह भूमि हमारे लिए तीर्थ थी, जहां की पावन रज को ब्रह्मज्ञ उद्धव ने अपने मस्तक पर धारण किया था।

वह ब्रजवासी भी दर्शनीय थे, जिनके पूर्वजों के भाग्य की सराहना करते-करते भक्त सूरदास के शब्दों में बड़े-बड़े देवता आकर उनकी जूठन खाते थे, क्योंकि उनके बीच में भगवान अवतरित हुए थे।

ब्रज-वासी-पटतर कोउ नाहिं।
ब्रह्म सनक सिव ध्यान न पावत, इनकी जूठनि लै लै खाहिं॥
हलधर कहौ, छाक जेंवत संग, मीठो लगत सराहत जाहिं।
सूरदास प्रभु जो विश्वम्भर, सो ग्वालनके कौर अघाहिं॥

तब फिर यहां तो अनन्त दर्शनीय स्थान हैं, अनन्त सुंदर मठ-मंदिर, वन-उपवन, सर-सरोवर हैं, जो अपनी शोभा के लिए दर्शनीय हैं और पावनता के लिए भी दर्शनीय हैं। सबके साथ अपना-अपना इतिहास है। यद्यपि मुसलमानों के आक्रमण पर आक्रमण होने से ब्रज की सम्पदा नष्टप्राय हो गई है। कई प्रसिद्ध स्थानों का चिह्न तक मिट गया है, मंदिरों के स्थान पर मस्जिदें खड़ी हैं, तथापि धर्मप्राण जनों की चेष्टा से कुछ स्थानों की रक्षा तथा जीर्णोद्धार होने से वहां की जो आज शोभा है, वह भी दर्शनीय ही है।

ब्रह्माजी का मोह और उनका मोहनाश

एक दिन भगवान श्रीकृष्ण और ग्वाल बाल गाय बछड़ों को चराने वन में गये। लीलाएं और क्रीडाएं करते बहुत दिन चढ़ गया। उन सब ग्वाल बालों ने गोला सा बनाया और बैठ गये और बीच में श्रीकृष्ण को बैठा कर भोजन करना शुरू कर दिया। गाय बछड़े हरी भरी घास चरते हुए दूर निकल गये। ब्रह्माजी आकाश में पहले से ही उपस्थित थे। उन्होंने सोचा कि भगवान श्रीकृष्ण की मनोहर लीला देखनी चाहिए। ब्रह्माजी ने गाय बछड़ों को ले जाकर एक गुप्त स्थान पर छिपा दिया। जब भगवान ने गाय बछड़ों को वहां नहीं पाया तो ग्वाल बालों को वहीं पर छोड़कर स्वयं ढूंढने के लिए निकले। श्रीकृष्ण के चले जाने पर ब्रह्माजी ने ग्वाल बालों को भी उसी स्थान पर छिपा दिया जहां पर गाय बछड़ों को छिपा कर रखा था। भगवान श्रीकृष्ण गाय बछड़े न मिलने पर यमुना जी के तट पर लौट आये। परंतु वहां पर उन्हें ग्वाल बाल भी नहीं दिखाई दिये। इस पर भगवान श्रीकृष्ण ने उन्हें चारों ओर ढूंढा परंतु वे कहीं नहीं दिखाई दिये।

उन्होंने अपने अंतरचक्षु से जान लिया कि यह सब ब्रह्माजी ने किया है। अब भगवान श्रीकृष्ण ने गाय बछड़ों और ग्वाल बालों की माताओं को तथा ब्रह्माजी को आनंदित करने के लिए स्वयं बछड़ों और ग्वाल बालों दोनों के रूप में परिवर्तित कर लिया। वे बालक और गाय बछड़े संख्या में जितने थे, उनके हाथ पैर जैसे थे, उनके पास जितनी और जैसी छड़ियां, सींग, बांसुरी, पत्ते और छींके थे, जैसे और जितने वस्त्राभूषण थे, उनके शील, स्वभाव, गुण, नाम, रूप और अवस्थाएं जैसी थीं, जिस प्रकार वे ग्वाले खाते पीते और चलते थे, ठीक वैसे ही और उतने ही रूपों में प्रकट हो गये।

भगवान ने जिस ग्वाल बाल के जो गाय बछड़े थे उन्हें उसी ग्वाल बाल के रूप से अलग अलग ले जाकर उसके घर में घुसा दिया। ग्वाल बालों की माताएं बांसुरी की तान सुनते ही जल्दी से दौड़ आईं। ग्वाल बाल बने हुए परब्रह्म श्रीकृष्ण को अपने बच्चे समझकर हाथों में उठाक अपने हृदय से लगा लिया। इस प्रकार प्रतिदिन संध समय भगवान श्रीकृष्ण उन ग्वाल बालों के रूप में वन से लौट आते और अपनी बाल सुलभ लीलाओं से माताओं को आनंदित करते। वे माताएं उन्हें उबटन लगातीं, नहलातीं, चंदन का लेप करतीं। दूध पिलाकर लाड़ प्यार करतीं। इस तरह अंतर्यामी श्री कृष्ण गाय बछड़े और ग्वाल बालों के बहाने, गोपाल बनकर अपने बालक रूप में वत्स रूप का पालन करते हुए एक वर्ष तक वन में क्रीड़ा करते रहे।

जब एक वर्ष पूरा होने में पांच दिन शेष थे तब एक दिन भगवान श्रीकृष्ण बलराम जी के साथ गाय बछड़ों को चराने वन में गये। उस समय गाय बछड़े गोवर्धन की चोटी पर घास चर रहे थे। वहां से उन्होंने ब्रज के पास ही घास चरते हुए बहुत दूर तक अपने गाय बछड़ों को देखा। बछड़ों को देखते ही गौओं को वात्सल्य प्रेम उमड़ आया। वे दौड़कर उन बछड़ों के पास आईं। वे बड़े चाव से बछड़ों के अंगों को चाटने लगीं। उन्होंने बछड़ों के साथ बालकों को भी देखा। बलराम जी ने पूछा- ये मायाजाल कहां से आ गया? तब भगवान श्रीकृष्ण ने कहा कि यह सब ब्रह्माजी ने किया है। तब तक ब्रह्माजी ब्रह्मलोक से ब्रज में लौट आये। वे विचार करने लगे कि गोकुल में जितने भी ग्वाल बाल और गाय बछड़े थे वे सब तो मेरी मायामयी शैय्या पर सो रहे हैं। ये उतनी ही संख्या में दूसरे बालक और बछड़े कहां से आ गये तथा भगवान के साथ एक वर्ष से खेल रहे हैं। इन दोनों में कौन से पहले और कौन से पीछे बना लिये गये? ब्रह्माजी जिन भगवान श्रीकृष्ण को अपनी माया से मोहित करने चले थे, किंतु उनको मोहित करना तो दूर रहा था, वे अजन्म होने पर भी अपनी माया में अपने आप मोहित हो गये।

ब्रह्माजी विचार कर ही रहे थे कि उसी क्षण सभी ग्वाल बाल और गाय बछड़े श्रीकृष्ण रूप में दिखाई देने लगे। सब के सब चतुर्भुज रूप में दिखाई देने लगे। इस प्रकार ब्रह्माजी ने सबको परब्रह्म परमात्मा श्रीकृष्ण के ही स्वरूप में देखा। वे भगवान के तेज से निस्तेज होकर मौन हो गये। उस समय ऐसे स्तब्ध होकर खड़े हो गये मानो कि ब्रज के अधिष्ठात्रा देवता के पास एक पुतली खड़ी हो। ब्रह्माजी ने भगवान श्रीकृष्ण की स्तुति की। ब्रह्माजी ने भगवान की तीन परिक्रमाएं कीं और उनसे स्वीकृति लेकर अपने धाम को प्रस्थान कर गये।

कर्ज से जल्दी मुक्ति पाने के लिए अपनाएं यह उपाय

देश और दुनिया में हो रहे विकास से लोगों विलासिता का सुख भोगने से अपने आप को कभी दुर नहीं रख पाते। इन सुखों के लिए लोग कर्ज लेने से भी पीछे नहीं हटते। जबकि एक तरह से कर्ज मानव जीवन के लिए अभिशाप होता है। जिस व्यक्ति पर कर्ज है वो व्यक्ति जिन्दा रहते हुए भी चलती - फिरती लाश के समान है। लेकिन इन उपायों से आप कर्ज को जल्द से जल्द से चुकता कर सकते हैं-

१. अगर आप कर्ज की प्रथम किश्त शुक्ल पक्ष के प्रथम मंगलवार से प्रारंभ करते है तो शीघ्र आप ऋ+ण से मुक्ति पा लेंगे।
२. घर का सारा कबाड़ अमावस्या या शनिवार को घर से बाहर करें।
३. मंगलवार को कभी क़र्ज़ न लें।
४. प्रतिदिन श्री सूक्त का पाठ स्फटिक श्री यंत्र के सामने करने से लक्ष्मी का आगमन होता है।
५. कभी भी बुधवार को क़र्ज़ न दें।
६. ५ मंगलवार हनुमान जी के मंदिर में ५-५ पीस मीठे देसी घी के रोट का भोग लगाए।
७. व्यवसाय, मकान बनवाने हेतु कर्ज जन्मकुंडली की विवेचना करवाने के पश्चात लें।
८. प्रत्येक मंगलवार ऋ+ण मोचक मंगल स्तोत्र का पाठ अवश्य करें।
९. सुबह उठते ही सबसे पहले एक मुट्ठी चावल पंक्षियों को चुगने के लिए डालिए।
१०. घर में कभी कोई भी मेहमान या अचानक कोई भी आए कुछ न कुछ अवश्य खिलाएं नहीं तो पानी तो अवश्य ही पिलाएं।
११. शराब, मांस, नशे की चीजों से पूरी तरह से दूर रहें।

जीवन में रंगों को महत्व

कई लोगो को सादा जीवन पसंद है तो कईयों को रंगीन। क्या कभी आपने सोचा है कि इन रंग-बिरंगे रंगों को हमारे जीवन में क्या महत्व है। रंगों का हमारे जीवन व स्वास्थ्य पर बहुत अधिक प्रभाव पड़ता है। कहा जाता है कि रंग नेत्रों के माध्यम से हमारे मानस में प्रविष्ट होते हैं एवं हमारे स्वास्थ्य, चितन, आचार-विचार आदि पर इनका गहरा प्रभाव पड़ता है। अतः उचित रंगों का प्रयोग कर हम वांछित लाभ पा सकते हैं। किसी जातक की सफलता उसके कर्मों और कुछ हद तक लाइफस्टाइल पर भी निर्भर करती है। वैसे तो प्रत्येक दिन का अपना अपना महत्व होता है लेकिन ज्योतिष के अनुसार सप्ताह के दिनों का संबंध ग्रहों की स्थिति पर आधारित होता है। प्रत्येक दिन का एक नंबर होता है। उन रंगों का चयन करके अच्छे परिणाम हासिल किए जा सकते हैं। रंग हमारे विचारों को प्रभावित करते हैं तथा हमारी सफलता व असफलता के कारक भी बनते हैं। शुभ रंग भाग्योदय कारक होते हैं और अशुभ रंग भाग्य में कमी करते हैं।

सोमवार : सफेद
बुधवार : हरा
शुक्रवार : सफेद
रविवार : नारंगी
मंगलवार : लाल
गुरुवार : पीला
शनिवार : काला

ऐसे लोगों को मिलती है कैरियर में कामयाबी

आज हर व्यक्ति पैसा कमाने के लिए निरंतर प्रयोग करता रहता है। अच्छा कैरियर किसे पसंद नही होता। अच्छे कैरियर के लिए युवा तरह-तरह कि जतन किया करते हैं। लेकिन जीवन में सफलता के लिए सबसे जरूरी है सही कैरियर का चुनाव। क्योंकि अक्सर कैरियर का सही चुनाव नही कर पाने के कारण ही व्यक्ति को जीवन में बड़ी कामयाबी नही मिल पाती है। अंक ज्योतिष में कैरियर के चुनाव के लिए एक बहुत ही आसान तरीका बताया गया है। इस तरीके को आजमाएं तो आप खुद ही अपने लिए सही कैरियर का चुनाव कर पाएंगे और अपने क्षेत्र में कामयाब व्यक्ति कहलाएंगे।

अंक ज्योतिष अनुसार हर व्यक्ति का एक मूलांक होता है। इस अंक को ज्ञात करके व्यक्ति अपने लिए सही कैरियर का चुनाव करे तो कामयाबी उसके कदम चूमती हैं क्योंकि मूलांक जिस क्षेत्र में कैरियर का संकेत देता है उस क्षेत्र में सफलता के लिए जो गुण चाहिए वह व्यक्ति में मौजूद होता है। जैसे किसी व्यक्ति का मूलांक १ होता है तो उनमें नेतृत्व की योग्यता होती है। ऐसे व्यक्ति राजनीति एवं प्रबंधन के क्षेत्र में कामयाब होते हैं। वकालत के अलावा जिन क्षेत्रों में अधिक जोश और उत्साह की जरूरत होती है जैसे सेना, पुलिस के क्षेत्र में इन्हें सफलता मिल ही जाती है। फोटोग्राफी, ग्राफिक डिजाईनर, नाविक, नौसेना, ठेकेदारी, व्यवसाय एवं शिल्पकला के क्षेत्र में भी यह कामयाब होते हैं।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में रविवार 09 जनवरी को कोई बदलाव नहीं हुआ है। वहीं अंतराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल की कीमत में लगातार इजाफा देखने को मिल रहा है। वै श्विक बाजार में क्रूड ऑयल के दाम साल के पहले सप्ताह में 5 फीसदी तक बढ़ चुके हैं। रविवार सुबह कीमत 78.90 डॉलर प्रति बैरल है। इसमें -0.70 फीसदी का बदलाव देखने को मिला है। वहीं ब्रेंट क्रूड की कीमत 81.75 डॉलर प्रति बैरल है। इसमें -0.29 फीसदी की कमी देखने को मिली है। आईओसीएल के मुताबिक देश के दिल्ली समेत चारों महानगरों में पेट्रोल की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में पेट्रोल के दाम 95.41 रुपए पतिलीटर पर हैं। वहीं दूसरी ओर कोलकाता, मुंबई और चेन्नई में पेट्रोल की कीमत क्रमशः 104.67 रुपए, 109.98 रुपए और 101.40 रुपए पतिलीटर हैं। वहीं नई दिल्ली में डीजल के दाम 86.67 रुपए, कोलकाता में 89.79 रुपए, मुंबई में 94.14 रुपए और चेन्नई में 91.43 रुपए प्रति लीटर हैं।

एजिलिटी वेंचर्स को सेबी से 450 करोड़ के कोष को मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

स्टार्टअप इकाइयों में निवेश करने वाली कंपनी एजिलिटी वेंचर्स को भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) से 450 करोड़ रुपए के कोष के लिए मंजूरी मिल गई है। इस कोष का इस्तेमाल अगले तीन-चार साल होगा। एंजल निवेशक नेटवर्क एजिलिटी वेंचर्स नेटवर्क स्टार्टअप तथा शिक्षा, प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य देखभाल, ई-कॉमर्स, वाहन, इलेक्ट्रिक वाहन, रोबोटिक्स, कृषि प्रौद्योगिकी और विनिर्माण जैसे कई शुरुआती चरण वाले कारोबार में निवेश करती है। कंपनी की ओर से जारी बयान में कहा गया कि एजिलिटी वेंचर्स ने अपने नेटवर्क को वर्तमान के 1,500 एंजल निवेशकों से बढ़ाकर 2022 में 4,000 करने का लक्ष्य तय किया है। वैकल्पिक निवेश कोष के जरिये कंपनी इस साल 50 से अधिक स्टार्टअप में 75 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। कंपनी ने कहा कि एजिलिटी वेंचर्स इस वर्ष जिस तरह की नई शुरुआत करना चाहता थी, वह इस कोष को सेबी की मंजूरी मिलने से हो गई है।

एएमओ इलेक्ट्रिक जुटाएगी 10 करोड़ डॉलर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

इलेक्ट्रिक दोपहिया कंपनी एएमओ इलेक्ट्रिक अगले वित्त वर्ष में करीब 10 करोड़ डॉलर जुटाने पर विचार कर रही है। कंपनी इलेक्ट्रिक दोपहिया बाजार में अपनी स्थिति को मजबूत करने के लिए शोध एवं विकास (आरएंडडी) पर विशेष ध्यान दे रही है, जिससे वह बाजार में नए उत्पादों की पेशकश कर सकेगी। इसके अलावा कंपनी का इरादा अपनी विनिर्माण क्षमता का विस्तार करने और देशभर में अपने बिक्री ढांचे को मजबूत करने का भी है। नोएडा की कंपनी फिलहाल में देशभर में अपने 150 से अधिक आउटलेट्स के बिक्री नेटवर्क के जरिए चार इलेक्ट्रिक स्कूटर बेचती है। एएमओ इलेक्ट्रिक के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा` कि इलेक्ट्रिक दोपहिया खंड अगले कुछ वर्षों में जबर्दस्त वृद्धि की ओर अग्रसर है। अपनी स्थिति को मजबूत करने के लिए हम अगले वित्त वर्ष में लगभग 10 करोड़ डॉलर जुटाने पर विचार कर रहे हैं। इससे हमारे शोध एवं विकास प्रयासों को गति मिलेगी और हम उद्योग में शीर्ष तीन खिलाड़ियों में शामिल होने की राह पर अग्रसर हो सकेंगे। उन्होंने कहा कि कंपनी पूंजी जुटाने के लिए विभिन्न वित्तीय संस्थानों से बातचीत कर रही है। कंपनी की चालू तिमाही में दो नए उत्पाद और अगले वित्त वर्ष में एक इलेक्ट्रिक बाइक सहित चार नए तेज रफ्तार वाले उत्पाद पेश करने की योजना है। सभी नए मॉडलों की गति सीमा 50 से 85 किलोमीटर प्रति घंटे की होगी। इनमें बैटरी अदला-बदली का विकल्प भी होगा। बिक्री नेटवर्क के संदर्भ में उन्होंने कहा कि कंपनी का लक्ष्य देशभर में लगभग 650 डीलरशिप का है। कंपनी ने कहा` कि अगले वित्त वर्ष में हमारी लगभग 1.2 लाख इकाइयां बेचने की योजना है। अभी लगभग 13 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों में हमारी मौजूदगी है।

अडानी समूह ने नए ऊर्जा कारोबार के लिए अनुषंगी कंपनी 'एएनआईएल' का गठन किया

नई दिल्ली (एजेंसी):

उद्योगपति गौतम अडानी की अगुवाई वाले अडानी समूह ने 'अडानी न्यू इंडस्ट्रीज लिमिटेड' (एएनआईएल) के नाम से नई अनुषंगी कंपनी बनाई है। यह इकाई हरित हाइड्रोजन परियोजनाओं, कम कार्बन उत्सर्जन के बिजली उत्पादन के साथ विंड टर्बाइन, सौर मॉड्यूल तथा बैटरियों के विनिर्माण के क्षेत्र में काम करेगी। अडानी समूह की नई अनुषंगी का लक्ष्य दुनिया की सबसे बड़ी नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी बनने के साथ सबसे कम लागत में हाइड्रोजन का उत्पादन करने का है। अडानी ने पिछले साल नवंबर में कहा था कि उनका समूह अगले दशक में नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में 70 अरब डॉलर का निवेश करेगा। अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि कंपनी ने पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी 'एएनआईएल' का गठन किया है। सूचना में कहा गया है कि एएनआईएल कम कार्बन उत्सर्जन वाले ईंधन और रसायनों के संश्लेषण के लिए परियोजनाओं के विकास और परिचालन का कारोबार संभालेगी। यह कंपनी कम कार्बन उत्सर्जन वाली बिजली का उत्पादन और हरित हाइड्रोजन उत्पादन सहित अन्य परियोजनाओं के लिए प्रमुख घटकों/सामग्रियों मसलन विंड टर्बाइन का विनिर्माण करेगी।

कंपनी ने कहा कि एएनआईएल सोलर मॉड्यूल, बैटरियां, इलेक्ट्रोलाइजर, संबद्ध अपस्ट्रीम विनिर्माण के साथ-साथ सहायक उद्योगों और इस संबंध में इससे जुड़ी सभी गतिविधियों को संचालित करेगी। समूह की कंपनियों ने पहले ही महत्वाकांक्षी योजनाएं बनाई हैं। दुनिया की सबसे बड़ी सौर ऊर्जा उत्पादक कंपनी अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) ने 2030 तक 45 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन क्षमता का लक्ष्य निर्धारित किया है और वह 2022-23 तक प्रति वर्ष दो गीगावॉट सौर ऊर्जा उत्पादन क्षमता विकसित करने के लिए 20 अरब डॉलर का निवेश करेगी।

बीते सप्ताह सोना 545 और चांदी 1920 रुपए हुई सस्ती

मुंबई। वैश्विक बाजार में कीमती धातुओं में मिलेजुले रुझान के बीच स्थानीय स्तर पर ग्राहकी कमजोर पड़ने से बीते सप्ताह सोना 545 रुपए प्रति दस ग्राम और चांदी 1920 रुपए प्रति किलोग्राम सस्ती हो गई। समीक्षाधीन सप्ताह में वैश्विक बाजार में कीमती धातुओं की कीमत में मिलाजुला रुख रहा। सोना हाजिर 1.38 डॉलर प्रति औंस की तेजी के साथ सप्ताहांत पर 1791.30 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। साथ ही अमेरिकी सोना वायदा भी 3.9 डॉलर प्रति औंस की बढ़त लेकर 1789.40 डॉलर प्रति औंस हो गया। वहीं सप्ताहांत पर चांदी हाजिर 0.42 डॉलर प्रति औंस गिरकर 22.19 डॉलर प्रति औंस पर आ गई। बीते सप्ताह ग्राहकी कमजोर रहने से देश के सबसे बड़े वायदा बाजार एमसीएक्स में सोना 545 रुपए सस्ता होकर 47405 रुपए प्रति दस ग्राम रह गया। साथ ही सोना मिनी 404 रुपए गिरकर 47454 रुपए प्रति दस ग्राम पर आ गया। इसी तरह समीक्षाधीन अवधि में स्थानीय स्तर पर चांदी 1920 रुपए का गोता लगाकर 60362 रुपए प्रति किलोग्राम रह गई। चांदी मिनी भी 1918 रुपए की बड़ी गिरावट लेकर 60661 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई।

एफपीआई ने जनवरी के पहले सप्ताह में शेयरों में किया 3,202 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली (एजेंसी)।

लगातार तीन महीने की बिकवाली के बाद विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने जनवरी के पहले सप्ताह में भारतीय शेयर बाजारों में 3,202 करोड़ निवेश किया है। बाजार में आए करेक्शन की वजह से एफपीआई का निवेश प्रवाह सुधरा है। विशेषज्ञों का कहना है कि आगे चलकर अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी की संभावना, ओमीक्रोन को लेकर बढ़ती चिंता तथा मुद्रास्फीति के ऊंचे स्तर की वजह से भारतीय बाजारों को लेकर एफपीआई का प्रवाह उतार-चढ़ाव वाला रहेगा। एफपीआई का ताजा निवेश अक्टूबर-दिसंबर, 2021 के दौरान भारतीय बाजारों से उनकी 38,521 करोड़ रुपए की शुद्ध निकासी के बाद आया है। इससे पहले पिछले साल सितंबर में एफपीआई ने भारतीय बाजारों में 13,154 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश किया था। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक एफपीआई ने 3-7 जनवरी के दौरान भारतीय शेयर बाजारों में शुद्ध रूप से 3,202 करोड़ रुपए डाले हैं। बाजार के जानकारों का कहना है कि भारत सहित दुनियाभर में कोरोनो वायरस संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ने के बीच एफपीआई अपने निवेश में रुख में सतर्कता बरतेंगे। जनवरी के पहले सप्ताह में एफपीआई ने भारतीय ऋण या बांड बाजार में 183 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश किया है। बीते साल उन्होंने 1.04 लाख करोड़ रुपए की बिकवाली की थी।

(तेल-तिलहन बाजार साप्ताहिक समीक्षा) बीते सप्ताह तेल-तिलहन की कीमतों में सुधार का रुख रहा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

वैश्विक बाजारों में तेजी तथा देशभर की मंडियों में तिलहनों की आवक में गिरावट आने से बीते सप्ताह दिल्ली तेल-तिलहन बाजार में लगभग तेल-तिलहनों के भाव में सुधार रहा। बाजार सूत्रों ने कहा कि उत्पादन कम होने से मलेशिया में बाजार मजबूत हुआ है तथा वहां कच्चे पाम तेल (सीपीओ) और पामोलीन के दाम में क्रमशः लगभग 40 डॉलर और 50 डॉलर की वृद्धि की गई है। देश में ठंड की वजह से इन तेलों की मांग कमजोर है। आयातकों को इन्हें मंगाने में प्रति किलो 2-3 रुपए का नुकसान उठाना पड़ता है। आयातकों को इन तेलों का खरीद भाव कहीं महंगा बैठता है जबकि इनकी बिक्री का दाम कम है। देशभर की मंडियों में सोयाबीन की आवक लगभग दो लाख बोरी रह गई है और इस वजह से सोयाबीन तेल कीमतों में भी सुधार आया है। विदेशी बाजारों में तेजी रहने की वजह से मूंगफली तेल-तिलहन कीमतों में भी सुधार आया। बीते सप्ताह सरसों दाने का भाव 225 रुपए सुधरकर 8,245-8,275 रुपए प्रति क्विंटल हो गया, जो पिछले सप्ताहांत 8,000-8,050 रुपए प्रति क्विंटल था। सरसों दादरी तेल का भाव पिछले सप्ताहांत के मुकाबले 525 रुपए सुधरकर समीक्षाधीन सप्ताहांत में 16,625 रुपए क्विंटल हो गया। वहीं सरसों पक्की घानी और कच्ची घानी तेल की कीमत क्रमशः 75-75 रुपए सुधरकर क्रमशः 2,490-2,615 रुपए और 2,670-2,785 रुपए प्रति टिन हो गईं। समीक्षाधीन सप्ताहांत में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के भाव क्रमशः 80 रुपए और 90 रुपए की तेजी के साथ क्रमशः 6,555-6,605 रुपए और 6,365-6,415 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुए।

सोयाबीन तिलहन के भाव में सुधार होने के कारण समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन तेल कीमतों में भी सुधार दिखा। सोयाबीन दिल्ली, इंदौर और सोयाबीन डीगम के भाव क्रमशः 180 रुपये, 190 रुपये और 150 रुपये का सुधार दर्शाते क्रमशः 12,880 रुपए, 11,630 रुपए और 11,400 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुए। मूंगफली दाना और मूंगफली तेल गुजरात का भाव क्रमशः 50- 50 रुपए का सुधार दर्शाता क्रमशः 5,690-5,780 रुपए, 12,550 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। मूंगफली सॉल्वेंट 10 रुपए के सुधार के साथ 1,840-1,965 रुपए प्रति टिन पर बंद हुआ। मलेशिया में बाजार के मजबूत होने से समीक्षाधीन सप्ताहांत में कच्चे पाम तेल (सीपीओ) और पामोलीन तेल कीमतों में भी सुधार दिखा। सीपीओ का भाव 300 रुपए बढ़कर 11,050 रुपए क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली और पामोलीन कांडला तेल का भाव भी क्रमशः 400-400 रुपए सुधार के साथ क्रमशः 12,450 रुपए और 11,400 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। बिनौला तेल का भाव 400 रुपए सुधार के साथ 11,800 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

शेयर बाजार समीक्षा

वृहद आंकड़ों और आईटी कंपनियों के तिमाही परिणाम तय करेंगे बाजारों की दिशा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

वृहद आर्थिक आंकड़े, इन्फोसिस और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) सहित सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र की कई कंपनियों के तिमाही पे रिणाम से इस सप्ताह शेयर बाजारों की दिशा तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। नए वर्ष 2022 की शुरुआत शेयर बाजारों के लिए काफी अच्छी रही है। इस बीच बाजार भागीदारों की नजरें घरेलू के अलावा वैश्विक मोर्चे पर कोरोना से जुड़ी खबरों पर रहेगी। विश्लेषकों का कहना है कि आईटी क्षेत्र की कई बड़ी कंपनियां मसलन इन्फोसिस, टीसीएस, विप्रो, एचसीएल टेक और माइंडट्री इस सप्ताह अपने तिमाही नतीजों की घोषणा करेंगी। इसके अलावा एचडीएफसी बैंक का भी तिमाही परिणाम आना है। साथ ही बाजार भागीदारों की नजरें औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी), खुदरा मुद्रास्फीति (सीपीआई) और थोक मुद्रास्फीति (डब्ल्यूपीआई) के आंकड़ों पर भी रहेगी। कुल मिलाकर बाजार पर वैश्विक संकेतकों तथा कोविड-19 से जुड़ी खबरों का भी असर पड़ेगा। आईटी कंपनियों के तिमाही नतीजे बाजार को दिशा देंगे। बाजार भागीदार उम्मीद कर रहे हैं कि आईटी क्षेत्र की बड़ी कंपनियों के परिणाम उत्साह बढ़ाने वाले होंगे। अभी तक बाजार ने कोविड के नए स्वरूप ओमीक्रोन के बढ़ते मामलों को नजरअंदाज किया है, लेकिन कई राज्यों द्वारा कड़े अंकुशों की वजह से आगे बाजार की धारणा प्रभावित हो सकती है। आईटी कंपनियों के परिणामों, आईआईपी, सीपीआई और डब्ल्यूपीआई आंकड़ों की वजह से बाजार के लिए यह सप्ताह काफी व्यस्त रहने वाला है। आईआईपी और सीपीआई के आंकड़े 12 जनवरी को और डब्ल्यूपीआई के 14 जनवरी को आएंगे। बाजार के जानकारों ने कहा कि दुनियाभर में कोविड के मामले बढ़ रहे हैं, लेकिन अस्पताल में भर्ती होने वालों मरीजों की संख्या और मृत्यु दर काफी कम है, जिसकी वजह से बाजार ने इसे नजरअंदाज किया है। हालांकि बाजार की निगाह महामारी की तीसरी लहर पर बनी रहेगी। उन्होंने कहा कि वैश्विक मोर्चे की बात की जाए, तो कच्चे तेल के बढ़ते दाम चिंता का विषय हैं। इसके अलावा चीन के मुद्रास्फीति और अमेरिका के खुदरा बिक्री के आंकड़े भी बाजार की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहेंगे। वृहद आर्थिक मोर्चे पर निवेशकों की निगाह घरेलू के अलावा अमेरिका और चीन के मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर रहेगी। सप्ताह के दौरान कई महत्वपूर्ण वृहद आर्थिक आंकड़े आने हैं। सप्ताह के दौरान दिसंबर के मुद्रास्फीति तथा नवंबर के आईआईपी आंकड़े आएंगे। इसके साथ ही निवेशकों की निगाह विदेशी संस्थागत निवेशकों के निवेश के रुख और रुपए के उतार-चढ़ाव पर भी रहेगी।

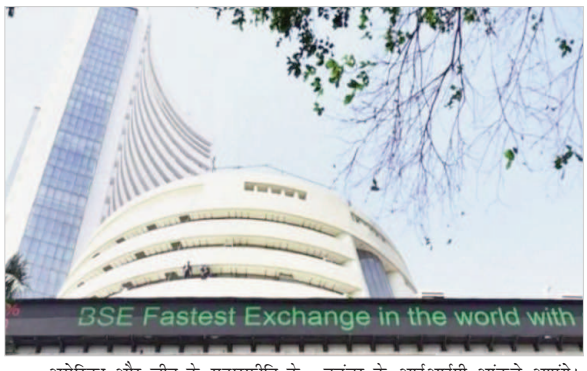

इस साल ऑडी इंडिया को भारतीय बाजार में बिक्री में दो अंकीय वृद्धि की उम्मीद

नई दिल्ली (एजेंसी)।

देश में कोरोना संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ने के बीच जर्मनी की लग्जरी कार कंपनी ऑडी को इस साल भारतीय बाजार में अपनी बिक्री में मजबूत दो अंकीय वृद्धि की उम्मीद है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह बात कही। ऑडी इंडिया इस साल भारतीय बाजार में कई नए उत्पाद लाने की तैयारी कर रही है। कंपनी अगले महीने एसयूवी क्यू 7 उतारने जा रही है। कंपनी का मानना है कि नए उत्पादों से भारतीय बाजार में उसकी बिक्री बढ़ेगी। ऑडी इंडिया के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा` कि यदि कोरोनो की वजह से स्थिति खराब नहीं होती है, तो इस साल हम भारतीय बाजार में मजबूत दो अंकीय वृद्धि दर्ज करेंगे। उन्होंने कहा कि ऑडी के दृष्टिकोण से देखें तो हमारी वृद्धि जारी रहेगी। बीते साल हमने करीब 101 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। कंपनी ने नवंबर में एसयूवी क्यू 5 पेश की थी जिसकी डिलिवरी दिसंबर से शुरू हो गई है। ढिल्लों ने कहा कि हम नई क्यू 7 भी उतारने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले साल की तरह चालू वर्ष में भी हम अपनी वृद्धि को लेकर सकारात्मक हैं। उन्होंने बताया कि ऑडी इंडिया इस साल कई नए उत्पाद उतारेगी। ऐसा नहीं है कि इस साल हम नए उत्पाद नहीं लाएंगे। नई पेशकशों के मामले में यह साल भी हमारे लिए काफी गतिविधियों वाला रहेगा। ऑडी इंडिया की खुदरा बिक्री 2021 में दोगुना होकर 3,293 इकाई रही। 2020 में कंपनी ने 1,639 वाहन बेचे थे।

नए साल में वैश्विक मंच के जरिए ओयो ने कमाए 110 करोड़

नई दिल्ली (एजेंसी)।

आतिथ्य क्षेत्र की कंपनी ओयो के संस्थापक और समूह मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) रितेश अग्रवाल ने कहा है कि नववर्ष 2022 का जश्न मनाने के लिए 10 लाख से अधिक लोगों ने उनके मंच के जरिए पांच लाख से अधिक रातों के लिए कमरे बुक किए। कंपनी के वैश्विक मंच के जरिए हुई इन बुकिंग के जरिए सप्ताहांत में करीब 110 करोड़ रुपए की कुल बुकिंग राशि प्राप्त हुई। उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि नए साल की पूर्व संध्या के लिए 58 प्रतिशत बुकिंग उसी दिन की गई थी। उन्होंने लिंक्डइन पर अपनी पोस्ट में लिखा` कि इस नए साल में हमारे साथ पांच लाख से अधिक रातों के लिए कमरे बुक करने वाले दस लाख से अधिक लोगों को धन्यवाद। ओयो में हम सभी के लिए यह एक व्यस्त नया साल था। उन्होंने कहा कि 2021 की बुकिंग, अप्रैल, 2020 के बाद महामारी के दौरान 90 सप्ताहांत में सबसे अधिक थी और इससे दुनियाभर में हमारे मंच के जरिए करीब 110 करोड़ रुपए की राशि प्राप्त हुई।

ओबेरॉय रियल्टी की तीसरी तिमाही की बिक्री बुकिंग दोगुना बढ़कर 1,965 करोड़ हुई

नई दिल्ली (एजेंसी)।

मुंबई की रियल एस्टेट कंपनी ओबेरॉय रियल्टी की बिक्री बुकिंग दिसंबर, 2021 में समाप्त चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में गुना से अधिक होकर 1,965 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। एक नियामकीय सूचना में ओबेरॉय रियल्टी ने कंपनी द्वारा इस वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही (एकीकृत आधार पर) के लिए की गई बुकिंग का संक्षिप्त ब्योरा साझा किया है।

अक्टूबर-दिसंबर तिमाही के दौरान इसकी बिक्री बुकिंग बढ़कर 1,965 करोड़ रुपए की हो गई, जो एक साल पहले की समान अवधि में 971 करोड़ रुपए थी। ओबेरॉय रियल्टी ने पिछली तिमाही के दौरान एक साल पहले की 234 इकाइयों के मुकाबले 371 इकाइयों की बिक्री की। वित्त वर्ष 2021-22 के पहले नौ महीनों के दौरान कंपनी की बिक्री बुकिंग दो गुना से अधिक होकर 2,964 करोड़ रुपए पर पहुंच गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 1,323 करोड़ रुपए थी। कंपनी ने वित्त वर्ष के पहले नौ माह अप्रैल-दिसंबर में 610 इकाइयों की बिक्री की। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह आंकड़ा 284 इकाइयों का रहा था। संपत्ति सलाहकारों के अनुसार पिछले साल अप्रैल-जून की अवधि के दौरान बिक्री को प्रभावित करने वाली कोविड महामारी की दूसरी लहर के बाद प्रमुख 7-8 शहरों में घरों की मांग में तेजी से सुधार हुआ है। घरों की कुल बिक्री में भरोसेमंद रियल एस्टेट डेवलपर्स की बाजार हिस्सेदारी धीरे-धीरे बढ़ रही है। वित्तीय वर्ष 2021 में घरों की बिक्री में पिछले वर्ष की तुलना में 50-70 प्रतिशत की तेजी से वृद्धि हुई। हालांकि बिक्री अभी 2019 के कोविड-पूर्व के स्तर पर नहीं पहुंची है।

रिलायंस ने 735 करोड़ में खरीदा न्यूयॉर्क का लग्जरी होटल

नई दिल्ली (एजेंसी)।

उद्योगपति मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस ने न्यूयॉर्क के प्रतिष्ठित लग्जरी होटल मैंडारिन ओरिएंटल का 9.81 करोड़ डॉलर (करीब 735 करोड़ रुपए) में अधिग्रहण करने की घोषणा की। 2003 में निर्मित मैंडारिन ओरिएंटल न्यूयॉर्क के 80 कोलंबस सर्कल स्थित एक प्रतिष्ठित लक्जरी होटल है, जो सेंट्रल पार्क और कोलंबस सर्कल के ठीक बगल में है। रिलायंस रिटेल ने डंजो में किया 20 करोड़ डॉलर का निवेश, 25.8 फीसदी हिस्सेदारी खरीदी कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में कहा है कि रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रियल इंवेस्टमेंट्स एंड होल्डिंग्स लिमिटेड ने लगभग 9.81 करोड़ डॉलर के इक्विटी प्रतिफल पर कोलंबस सेंटर कॉरपोरेशन की संपूर्ण जारी शेयर पूंजी का अधिग्रहण करने के लिए एक समझौता किया, जो केमैन आइलैंड्स में शामिल एक कंपनी है और मैंडारिन ओरिएंटल न्यूयॉर्क में 73.37 प्रतिशत हिस्सेदारी की अप्रत्यक्ष मालिक है।

मैंडारिन ओरिएंटल न्यूयॉर्क शहर के प्रतिष्ठित लक्जरी होटलों में से एक है। एक साल से भी कम समय में रिलायंस की ओर से प्रतिष्ठित होटल का यह दूसरा अधिग्रहण है।

पेट में चोट लगने से मेलबर्न टूर्नामेंट के सेमीफाइनल से हटी ओसाका

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलिया ओपन की गत चैंपियन नाओमी ओसाका पेट में चोट के कारण मेलबर्न में डब्ल्यूटीए टूर्नामेंट के सेमीफाइनल से बाहर हो गई है। ओसाका के हटने से उनकी प्रतिद्वंद्वी वेरोनिका कुदेरमेतोवा ने वाकओवर मिलने पर फाइनल में जगह बनाई। टेनिस ऑस्ट्रेलिया द्वारा जारी बयान में ओसाका ने कहा, यहां मेलबर्न में खेलने में काफी आनंद आया। दुर्भाग्य से मेरे पेट में चोट लगी है और मुझे आराम करने और ऑस्ट्रेलिया ओपन की तैयारी करने की जरूरत है। ऑस्ट्रेलिया ओपन 17 जनवरी से शुरू होगा। इसके पहले अमेरिका की अमांडा अनिसिमोवा ने मेलबर्न में ही शनिवार को डब्ल्यूटीए समर सेट 2 प्रतियोगिता में दारिया कास्तकिना को 6-2, 6-0 से हराकर 2019 के बाद पहली बार फाइनल में जगह बनाई। फाइनल में अनिसिमोवा का सामना साथी अमेरिकी आन ली और बेलारूस की एलियाकसांद्रा सेसनोविच के बीच होने वाले सेमीफाइनल की विजेता से होगा। समर सेट 1 प्रतियोगिता के एक अन्य सेमीफाइनल में सिमोना हालेप की भिड़ंत झेंग किनवेन से होगी और इस मैच का विजेता रविवार को कुदेरमेतोवा से भिड़ेगा।

एशेज का चौथा टेस्ट ड्रॉ

निचले क्रम के बल्लेबाजों ने इंग्लैंड को हार से बचाया

ऑस्ट्रेलिया की उम्मीदों पर पानी फिरा

सिडनी (एजेंसी) ।

इंग्लैंड के निचले क्रम के बल्लेबाजों जैक लीच, स्टुअर्ट ब्रॉड व जेम्स एंडरसन ने अंतिम दस ओवरों में संघर्षपूर्ण बल्लेबाजी करते हुए एशेज क्रिकेट सीरीज के चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच को ड्रॉ कराने के साथ ही अपनी टीम को हार से बचा लिया। मैच के अंतिम दिन जीत के लिए मिले 388 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड ने दिन का खेल समाप्त होने के समय तक अपनी दूसरी पारी में 102 ओवर में नौ विकेट पर 270 रन बनाये। मेहमान टीम के निचले क्रम के बल्लेबाजों ने अंतिम दस ओवरों में ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों का डटकर सामना किया और उनकी जीत की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। लीच के 26 रनों पर आउट होने के बाद ब्रॉड और एंडरसन ने बेहद दबाव के बीच भी अंतिम दो ओवर बल्लेबाजी की। ब्रॉड ने नाबाद आठ रन बनाये जबकि एंडरसन अपना खाता नहीं खोल पाये पर उन्होंने अपनी जिम्मेदारी पूरी तरह से निभाई और अंत तक मैदान में टिके रहे। वहीं मेजबान कंगारुओं की ओर से स्कॉट बोलैंड ने तीन विकेट, कप्तान पैट कमिंस ने दो विकेट लिए जबकि स्पिनर नाथन लियोन ने भी दो विकेट लेकर अपनी टीम को जीत के बेहद करीब पहुंचा दिया था पर ब्रॉड व एंडरसन के विकेट वे नहीं ले पाये। मैच समाप्त होने के दो ओवर पहले स्टीव स्मिथ ने लीच को पेवेलियन भेजकर अपनी टीम की जीत तकरीबन तय कर दी थी पर टीम अंतिम ओवरों में विकेट नहीं ले पायी और जीत उसके हाथ से फिसल गयी। ब्रॉड और एंडरसन ने खराब रोशनी के बीच भी बल्लेबाजी कर अपनी टीम की हार टाल दी।

मैच ड्रॉ होने के साथ ही इंग्लैंड की टीम ने लगातार तीन हार के सिलसिले को तोड़ा है। अंतिम घंटे से पहले कमिंस ने तीन गेंद के अंदर ही जोस बटलर को 11 और मार्क वुड को खाता खोले बिना ही पेवेलियन भेजकर इंग्लैंड को करार झटका दिया था। इस प्रकार मेहमान टीम का स्कोर 85 ओवर में सात विकेट पर 218 रन पहुंच गया। बोलैंड ने पहली पारी में शतक लगाने वाले जॉनी बेयरस्टो को 41 रनों पर आउट कर एक अहम विकेट लिया। यह बोलैंड का दूसरे टेस्ट में 14वां विकेट था। ब्रॉड और लीच ने इसके बाद आठ से अधिक ओवर तक ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों का साहस के साथ सामना किया। ऑस्ट्रेलिया ने अंतिम तीन ओवर में स्पिनरों लियोन और स्मिथ को भी लगाया। स्मिथ ने लीच को वार्नर के हाथों कैच कराया लेकिन ब्रॉड और एंडरसन ने अंतिम दो ओवर खेलकर मैच ड्रॉ करा दिया। इससे पहले स्टोक्स ने चोटिल होने के बाद भी 60 रन की पारी खेली। लियोन ने स्टोक्स को स्मिथ के हाथों कैच कराया।

फ्रांस की खेल मंत्री ने कहा, जोकोविच को ऑस्ट्रेलियाई ओपन खेलने की अनुमति दे सरकार

फ्रेंच ओपन में विशेष अनुमति के साथ मिलेगा प्रवेश

पेरिस (एजेंसी)।

फ्रांस की खेल मंत्री रोक्साना मारासिनेनु अब विश्व के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच के समर्थन में उतरी हैं। रोक्साना ने वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम टेनिस टूर्नामेंट ऑस्ट्रेलियन ओपन के लिए मेलबर्न पहुंचे जोकोविच को अप्रवासी डिटेंशन सेंटर में रखे जाने की कड़ी आलोचना की है। साथ ही कहा कि जोकोविच को टीकाकरण के बिना भी फ्रेंच ओपन टूर्नामेंट में खेलने की अनुमति दी जानी चाहिये क्योंकि उनके पास पर्याप्त चिकित्सा कारण हैं। वहीं इससे पहले टेनिस ऑस्ट्रेलिया ने जोकोविच को बिना टीकाकरण के भी ऑस्ट्रेलियन ओपन में खेलने की अनुमति दी थी पर कई देशों के आपत्ति जताने के बाद ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने इस मामले में जोकोविच को रोक दिया है। फ्रांस की खेल मंत्री ने यह भी कहा कि उनके देश में जोकोविच अगर किसी बड़े टूर्नामेंट में भाग लेना चाहेंगे तो उन्हें विशेष अनुमति के साथ प्रवेश की अनुमति दी जाएगी क्योंकि जिस खिलाड़ी ने टीकाकरण नहीं कराया है वह भी किसी बड़े टूर्नामेंट में भाग लेने का अधिकारी है। ऑस्ट्रेलियन ओपन के बाद मई-जून में फ्रेंच ओपन टूर्नामेंट खेला जाना है। ऐसे में जोकोविच का उसमें खेलना तय हो गया है। जोकोविच को ऑस्ट्रेलिया ओपन के लिए ऑस्ट्रेलिया पहुंचने से पहले विशेष चिकित्सा छूट दिए जाने की जानकारी दी गयी थी पर वह जैसे ही पहुंचे ऑस्ट्रेलियाई सीमा बल (एबीएफ) ने जोकोविच का वीजा रद्द कर दिया।

बार्टी ने एडीलेड इंटरनेशल टेनिस टूर्नामेंट जीता

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलिया की एश्ले बार्टी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दूसरी बार एडीलेड इंटरनेशल टेनिस टूर्नामेंट का महिला एकल खिताब जीता है। बार्टी ने एलेना रेबाकिना को सीधे सेट में आसानी से 6-3, 6-2 से हराया। इस जीत के साथ ही बार्टी का 2021 की शुरुआत से ही शीर्ष 20 में शामिल खिलाड़ियों के खिलाफ जीत-हार का रिकॉर्ड 17-1 पहुंच गया है। बार्टी ने इससे पहले डब्ल्यूटीए टूर्नामेंट में 14वीं खिताबी जीत के दौरान कोको गॉफ, सोफिया केनिन और इगा स्वियाटेक जैसी स्टार खिलाड़ियों को भी हराया था। बार्टी को अगले सप्ताह ही सिडनी टेनिस क्लासिक में खेलना है जिसके बाद 17 जनवरी से आस्ट्रेलियाई ओपन खेला जाएगा। वहीं एक अन्य मुकाबले में ही अमरीका की अमांडा अनिसिमोवा ने बेलारूस की एलियाकसांद्रा सासनोविच को तीन सेट में 7-5, 1-6, 6-4 से हराकर दूसरी बार कोई डब्ल्यूटीए खिताब अपने नाम किया है।

सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल की

ब्रूक्स की शानदार बल्लेबाजी से वेस्टइंडीज ने पहले एकदिवसीय में आयरलैंड को हराया

ब्रूक्स को मैन ऑफ द मैच

सबीना पार्क (एजेंसी)।

शामराह ब्रूक्स की शानदार बल्लेबाजी के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से वेस्टइंडीज ने यहां खेले गये पहले एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में आयरलैंड को 24 रनों से हरा दिया। इसी के साथ ही तीन मैचों की सीरीज में वेस्टइंडीज टीम 1-0 से आगे हो गयी है। मेजबान वेस्टइंडीज ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 48.5 ओवर में 269 बनाये। इस प्रकार आयरलैंड को जीत के लिए 270 रनों का लक्ष्य मिला। लक्ष्य का पीछा करने उतरी आयरलैंड टीम 49.1 ओवर में 245 रन ही बना पायी। वेस्टइंडीज की ओर से अलजारी जोसेफ और रोमारियो शेफर्ड ने तीन-तीन विकेट लिए।

इस मैच के नायक रहे वेस्टइंडीज के बल्लेबाज ब्रूक्स ने 89 गेंदों पर सबसे ज्यादा 93 रन बनाए, जिसमें नौ चौके और तीन छक्के भी शामिल थे। ब्रूक्स को टीम की जीत में अहम भूमिका के लिए मैन ऑफ द मैच का इनाम भी मिला। वहीं कीरोन पोलार्ड ने 66 गेंद पर 69 रन बनाए जिसमें उनके चार चौके और छह छक्के शामिल थे। वेस्टइंडीज की टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसेन 69 रनों के अंदर ही चार विकेट खो दिए थे पर इसके बाद ब्रूक्स और कप्तान पोलार्ड ने 155 रनों की अच्छी साझेदारी कर पारी को संभाला। कठिन लक्ष्य का पीछा करते हुए आयरलैंड की शुरुआत बेहद अच्छी रही। उसने 36 ओवर में ही एक विकेट पर 165 रन बना लिए थे पर इस जोड़ी के टूटने के बाद उसकी टी ढ़ह गयी। कप्तान एंड्रयू बालबर्नी ने सबसे अधिक 71 रन बनाए जबकि हेरी टेक्टर ने 53 रन की पारी खेली। वहीं एंडी मैकब्राइन 34 रन की पारी खेलकर रिटायर्ड हर्ट हो गए।

वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज के आयोजन स्थलों को घटा सकता है बीसीसीआई

मुम्बई (एजेंसी)।

देशभर में कोरोना संक्रमण के बढ़ते हुए मामलों को देखते हुए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी सीमित ओवरों की घरेलू श्रृंखला के आयोजन स्थलों की संख्या को घटाने पर विचार कर रहा है। बीसीसीआई ने हालांकि अभी तक इस मामले में किसी प्रकार का फैसला नहीं किया है। मेहमान टीम वेस्टइंडीज अगले माह फरवरी में तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय और इतने ही एकदिवसीय मैचों की श्रृंखला के लिए भारत आयेगी। इंडीज टीम सबसे पहले एकदिवसीय सीरीज खेलेगी और इसका पहला मैच इसका आगाज छह फरवरी को अहमदाबाद में खेला जाएगा। वहीं बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, '' अभी कुछ भी तय नहीं हुआ है। कोरोना संक्रमण के हालात लगातार बदल रहे हैं। इसी को देखते हुए हम स्थिति पर नजर रखे हुए हैं। समय आने पर हम आयोजन स्थलों को लेकर फैसला लेंगे।'' अहमदाबाद के अलावा, जयपुर में नौ फरवरी, कोलकाता में 12 फरवरी, कटक में 15 फरवरी, विशाखापत्तनम में 18 फरवरी और तिरुवनंतपुरम में 20 फरवरी को मैच होने हैं पर कोरोना संक्रमण को देखते हुए आयोजन स्थलों को कम किया जाएगा जिससे टीमों को कम यात्रा करनी पड़े। संक्रमण के हालातों को देखते हुए बोर्ड तीन स्थलों पर छह मैचों का आयोजन कर सकता है। वर्तमान कार्यक्रम के अनुसार वेस्टइंडीज की टीम को एक फरवरी को अहमदाबाद में आने के बाद तीन दिनों तक पृथकवास में रहना होगा है। इसके बाद टीम को जांच से गुजरना होगा। उसमें निगेटिव पाये जाने वाले खिलाड़ी ही मैच में उतर सकेंगे।

हरभजन अभी राजनीति में नहीं आयेंगे और खेलों से ही जुड़े रहेंगे

मुम्बई (एजेंसी)।

हाल ही में क्रिकेट से संन्यास लेने वाले दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा है कि अभी वह राजनीति में नहीं आयेंगे और खेल से ही जुड़े रहेंगे। हरभजन के इस बयान से उनके राजनीति में आने की अटकलों पर विराम लग गया है। हरभजन ने कहा कि मुझे इस मामले में बैठकर आराम से विचार करना होगा क्योंकि मैं आज जहां भी हूं खेल के कारण ही हूं। मैं आईपीएल टीमों में से किसी एक का सलाहकार बनूंगा या कमेंट्री करूंगा या खेल से जुड़े रहने के लिए ही कुछ करूंगा पर मैं इस समय राजनीति में आने को लेकर कुछ नहीं कह सकता। उन्होंने कहा कि शायद एक बार सही समय आ जाएगा तो मैं उस पर कोई फैसला लूंगा और देखूंगा कि आगे बढ़ने के लिए मेरे लिए यह सही है या नहीं। इसलिए मैं राजनीति में दूसरे पक्ष के बारे में तय नहीं हूं। मुझे निर्णय लेना होगा कि मैं इसमें शामिल होना चाहता हूं या नहीं, लेकिन हां जहां तक मेरा सवाल है, मैं खेल से जुड़ना पसंद करूंगा, मुझे कहीं न कहीं टीम को सलाह देते या कमेंट्री करते या क्रिकेट के साथ ही कुछ करते हुए देखा जाएगा। हरभजन ने अंतिम बार मार्च 2016 में एशिया कप में यूएई के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था और उसके बाद फिर से ही वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से दूर थे हालांकि इस दौरान वह आईपीएल खेल रहे थे। इसके बाद उन्होंने खेल से संन्यास ले लिया। उन्होंने यह बड़ा फैसला लेने से पहले अपने परिवार के सदस्यों और करीबी लोगों से सलाह ली थी।

संक्षिप्त समाचार

जिम्बाब्वे के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज से पहले श्रीलंका के फर्नांडो हुए संक्रमित

कोलंबो । जिम्बाब्वे के खिलाफ 16 जनवरी से शुरू होने वाली एकदिवसीय क्रिकेट सीरीज से पहले श्रीलंका को करारा झटका लगा है। श्रीलंकाई बल्लेबाज आविस्का फर्नांडो कोरोना संक्रमित होने के कारण बायो-बबल में शामिल नहीं हो पाये हैं। संभावित खिलाड़ियों के रविवार को जैव सुरक्षित बायो-सिक्योर बबल में प्रवेश करने की उम्मीद थी पर फर्नांडो के संक्रमित पाये जाने से वह बाकी खिलाड़ियों के साथ बायो बबल में शामिल नहीं होंगे। श्रीलंका क्रिकेट के मेडिकल स्टाफ के अनुसार फर्नांडो को तीन टीके लगे हैं हालांकि उन्हें बूस्टर डोज लगभग दो सप्ताह पहले ही दी गई थी। श्रीलंकाई टीम के लिए राहत देने वाली बात यह है कि टीम में केवल फर्नांडो की ही कोविड टेस्ट रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। फर्नांडो के नहीं होने से श्रीलंकाई शीर्ष क्रम की परेशानी बढ़ी है हालांकि कुसल मेंडिस, निरोशन डिकवेला और दानुष्का गुनातिलका की टीम में वापसी से उसे राहत मिली है। अभी तक एकदिवसीय मैचों के लिए श्रीलंकाई टीम की घोषणा नहीं हुई है पर इन तीन बल्लेबाजों में से कम से कम दो खिलाड़ियों को टीम में शामिल होने की उम्मीद है। जिम्बाब्वे के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के पहले तीनों मैच पल्लेकेल स्टेडियम में खेले जाएंगे, दूसरा और तीसरा मैच 18 जनवरी और 21 जनवरी को होगा।

मुख्य कोच शोपमैन भारतीय महिला टीम को आगे लेने के लिए उत्सुक

बेंगलुरू । 2022 महिला हॉकी एशिया कप को लेकर भारतीय महिला हॉकी टीम की मुख्य कोच जेनेक शोपमैन अपने कार्यकाल की सकारात्मक शुरुआत करने और महिला टीम को आगे लेने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने कहा कि टीम के तेज और आक्रामक हॉकी खेलने की रणनीति तैयार की है। ओमान के मस्कट में सुल्तान काबूस स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 21 से 28 जनवरी तक होने वाला 2022 महिला हॉकी एशिया कप नए साल में टीम के लिए पहली बड़ी प्रतियोगिता होगी। एशिया कप के लिए टीम की तैयारी को लेकर शोपमैन ने कहा, 'फिलहाल हम भारतीय महिला टीम के रूप में अपनी खेल शैली को परिभाषित करने पर काम कर रहे हैं, हम तेज और आक्रामक हॉकी खेलना चाहते हैं।' उन्होंने कहा कि हम अपने कौशल और गति का बेहतर उपयोग करने के साथ एक मजबूत रक्षात्मक इकाई भी बनाना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'मैं जो देख रही हूं, उससे मैं खुश हूं। हम ट्रेनिंग में जितना बेहतर डिफेंड करते हैं, उतना ही आक्रमण करना जरूरी हो जाता है और यह टीम की प्रगति को भी गति देता है।' विश्व कप में टीम के लक्ष्यों के बारे में शोपमैन ने कहा, 'हमारा पहला उद्देश्य विश्व कप के लिए क्वालीफाई करना होगा।' उन्होंने कहा, 'हमारे लिए यह सबसे महत्वपूर्ण है क्योंकि यही वह जगह है, जहां दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमें प्रतिस्पर्धा करने के लिए आती हैं। मैं यह देखने के लिए भी बहुत उत्सुक हूं कि हम इस समय किस स्तर पर हैं और क्या हम उस खेल की शैली पर अमल कर सकते हैं जिसकी मैं कल्पना कर रही हूं।'

इंग्लैंड टीम कोरोना संक्रमित होने के कारण इंडिया ओपन बैडमिंटन से हटी

नई दिल्ली । कोरोना संक्रमण के कारण इंग्लैंड की टीम 11 जनवरी से शुरु हो रहे इंडिया ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट से हट गयी है। टीम के युगल खिलाड़ी सीन वेंडी और कोच नाथन रॉबर्टसन कोविड-19 जांच में पॉजिटिव पाये गये थे। इसके बाद टीम ने इस टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया। वेंडी के पुरुष युगल जोड़ीदार बेन लेन ने भी टूर्नामेंट से हटने की बात ट्विटर पर मानी है। पुरुष युगल प्रतियोगिता में वेंडी और लेन को चौथी वरीयता मिली थी। लेन ने लिखा, '' वेंडी और हमारे कोच नाथन रॉबर्टसन के कोविड-19 से संक्रमित होने के कारण इस बार मैं इंडिया ओपन का हिस्सा नहीं हूं।'' वहीं भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) ने भी कहा है कि इंग्लैंड टीम टूर्नामेंट से बाहर हो गयी है। बीएआई ने ट्वीट किया, '' इंग्लैंड की पूरी टीम दो दिन पहले ही टूर्नामेंट से हट गयी थी और अब वे भारत में नहीं है। साथ ही कहा कि योनेक्स सनराइज इंडिया ओपन 2022 अपने तय कार्यक्रम के मुताबिक आगे बढ़ रहा है और प्रोटोकॉल के अनुसार आज सुबह होटल में परीक्षण किए गए सभी खिलाड़ियों के नतीजे नेगेटिव आए हैं।'' गौरतलब है कि बीएआई द्वारा आयोजित चार लाख डॉलर इनामी इस सुपर 500 स्पर्धा से ही 2022 बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर सत्र की शुरुआत होगी।

फीफा पुरस्कार 2021 के लिए श्रेष्ठतम फीफा पुरुष खिलाड़ी के लिए 3 नामों का खुलासा

लंदन (एजेंसी)।

दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित फीफा पुरस्कार 2021 के लिए सर्वश्रेष्ठ फीफा पुरुष खिलाड़ी के लिए संगठन ने अंतिम तीन नामों का खुलासा कर दिया है। इन तीन नामों में क्रिस्टियानो रोनाल्डो, कियान एबाप्पे, एर्लिंग हैलैंड, नेमार, करीम बेंजेमा, कांटे, जोर्जिन्हो और केविन डी ब्रुने जगह बनाने से चूक गए हैं। विजेताओं का खुलासा 17 जनवरी 2022 को किया जाएगा। इससे पहले फीफा ने मेन्स कोच ऑफ द ईयर और मेन्स गोलकीपर ऑफ द ईयर पुरस्कारों के लिए नामांकितों का खुलासा किया था। मोहम्मद सालाह, लियोनेल मेस्सी और रॉबर्ट लेवांडोव्स्की सर्वश्रेष्ठ फीफा पुरुष खिलाड़ी 2021 पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया है। फीफा के सर्वश्रेष्ठ पुरस्कारों के लिए नामित खिलाड़ी (2021) सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी के लिए जेनी हर्मोसो (एफसी बार्सिलोना और स्पेन), सैम केर (चेल्सी और ऑस्ट्रेलिया) और एलेक्सिया पुटेलस (एफसी बार्सिलोना और स्पेन) का नाम नामांकित किया गया हैं। फीफा पुस्कस पुरस्कार के एरिक लामेला (टोटेनहैम बनाम शस्त्रागार), पैट्रिक स्किक (चेक गणराज्य बनाम स्कॉटलैंड), मेहदी तारेमी (पोर्टो बनाम चेल्सी) का नाम नामांकित किया गया हैं। वहीं वर्ष की महिला गोलकीपर के लिए एन-कैटरीन बर्जर (चेल्सी और जर्मनी), क्रिश्चियन एंडलर (क्रस्त्र/ल्योन और चिली), स्टेफनी लाबे (रोसेंगार्ड/पीएसजी और कनाडा) का नाम नामांकित किया गया हैं. वर्ष का पुरुष गोलकीपर के लिए जियानलुइगी डोनारुम्मा (मिलान/पीएसजी और इटली), एडौर्ड मेंडी (चेल्सी और सेनेगल), मैनुअल नेउर (बायर्न म्यूनिख और जर्मनी) का नाम नामांकित किया गया हैं। वर्ष की महिला कोच के लिए लुई कोर्टेस, एम्मा हेस और सरीना वीगमैन के नामों की घाषणा की गई हैं। वहीं मेन्स कोच ऑफ द ईयर के लिए पेप गार्डियोला (मैनचेस्टर सिटी), थॉमस ट्यूशेल (चेल्सी) और रॉबर्टो मैनसिनी (इटली) का नाम नामांकन की सूची में शामिल हैं।

श्रीलंकाई खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने से पहले देना होगा नोटिस

कोलंबो । पिछले कुछ समय से अच्छे खिलाड़ियों की कमी झेल रहे क्रिकेट श्रीलंका (एसएलसी) ने कहा है कि अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने से तीन महीने पहले खिलाड़ियों को नोटिस देना होगा। वहीं फ्रेंचाइजी आधारित टी20 लीग मुकाबलों में खेलने के लिए एनओसी (अनापत्ति प्रमाण पत्र) संन्यास के छह महीने बाद ही उन्हें मिलेगा। माना जा रहा है कि श्रीलंकाई क्रिकेट ने यह कदम खिलाड़ियों को समय से पहले संन्यास और लुभावनी टी20 घरेलू लीग में जाने से रोकने के लिए उठाया है। नये दिशानिर्देशों के अनुसार लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) में खेलने का पात्र होने के लिए खिलाड़ियों को सत्र में कम से कम 80 फीसदी मैच खेलने होंगे। एसएलसी ने युवा क्रिकेटर दनुष्का गुणातिलक और भानुका राजपक्षे के संन्यास की घोषणा को देखते हुए यह फैसला किया है। गुणातिलक ने टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहा है जबकि राजपक्षे ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के तीनो प्रारूपों से संन्यास ले लिया है। एसएलसी ने एक बयान में कहा, 'राष्ट्रीय क्रिकेट टीम से संन्यास लेने की इच्छा रखने वाले राष्ट्रीय खिलाड़ियों को श्रीलंका क्रिकेट को तीन महीने का नोटिस देना होगा कि उनकी संन्यास लेने की इच्छा है। बयान के अनुसार, 'विदेशी फ्रेंचाइजी लीग में खेलने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) चाहने वाले संन्यास ले चुके राष्ट्रीय खिलाड़ियों को संन्यास लेने की तारीख के छह महीने बाद ही प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा। बोर्ड ने कहा, 'संन्यास ले चुके राष्ट्रीय खिलाड़ी एलपीएल जैसी घरेलू लीग में खेलने के पात्र तभी होंगे जब वे लीग से पहले वाले सत्र में घरेलू क्रिकेट प्रतियोगिताओं में 80 फीसदी मुकाबले खेलेंगे।

लिंबायत जोन के अधिकारियों द्वारा भू माफियाओं को अवैध बांधकाम की छूट

भ्रष्टाचार की पाठशाला है लिंबायत जोन....

मनपा कमिश्नर बंछानिधि पाणि क्यों नहीं कर रहे हैं कार्रवाई क्या राजनीतिक दबाव है

साहब हो तो ऐसे अरजदारों पर उठाए सवालिया निशान

जब तक पैसा नहीं मिलता है तब तक बिल्डिंग को अवैध ठहराया जाता है,नोटीस और मनाई हुकम दिया जाता है

सुरत भूमि, सूरत । पैसा मिलते ही उसी बिल्डिंग को वैधता का सर्टिफिकेट दे दिया जाता है यह विकास का मॉडल है या भ्रष्टाचार का क्या इसकी चर्चा अन्य राज्यों में चुनाव के समय भाजपा के बड़े नेता यह बताएंगे की गुजरात विकास का नहीं भ्रष्टाचार का मॉडल है। पहली बार ऐसा भ्रष्ट अधिकारी देखा गया जो समाजसेवी अरजदारों को अवैध जगहों पर अर्जी करने से मना करता है यहां तक अरजदारों की सुपारी भी दे देता है। शायद इसीलिए साहब ने रिटायर्ड आईएएस अधिकारी को पद पर नियुक्त कर नोट कमाने की मशीन बैठे हैं शायद इसी भ्रष्टाचार की पूंजी से अन्य राज्यों के चुनाव में अंधाधुंध पैसा खर्च किया जाएगा। क्योंकि यह तो गंगा पुत्र हैं इनके पास जाने के बाद लाखो गुनाह करने वाला व्यक्ति स्वच्छ और साफ छवि का गिना जाता है।

सचिन जीआईडीसी दुर्घटना के मृतकों को युवा कांग्रेस ने मोमबत्ती जलाकर श्रद्धांजलि अर्पित की

सूरत, सूरत भूमि

गत 6 जनवरी को सूरत शहर के सचिन जीआईडीसी में जहरीले रसायन के प्रभाव से 6 श्रमिकों की मृत्यु हो गई थी और लगभग 23 से अधिक श्रमिक बुरी तरह जहरीले रसायन की चपेट में आ गए थे जिनका इलाज चल रहा हैं। शविनार शाम को युवा कांग्रेस ने विवेकानंद सर्कल पर मोमबत्ती जलाकर मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता शान खान, सूरत शहर युवा कांग्रेस के उपाध्यक्ष भीषम कॉन्ट्रेक्टर, प्रदेश युवा कांग्रेस की महासचिव जल्पा भरुची, मुकद्दर रंगूनी, रोहित सावलिया, चंदू सोजित्रा, अवधेश मौर्या, विशाल सोनावणे, क्रिष सोपरिवाला, कल्पेश राणा, समीर कागजी, प्रिंस पांडे समेत अन्य युवा कांग्रेस के पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे थे।

गुजरात में कोरोना के 6275 नए मामले, 1359 लोग ठीक होकर घर लौटे, कोई मौत नहीं

अहमदाबाद । गुजरात में कोरोना की स्थिति दिन प्रति दिन गंभीर होती जा रही है, बावजूद इसके लोग आज भी लापरवाही से बाज नहीं आ रहे। पिछले कई दिनों से रोजाना केसों में 1000-1200 की वृद्धि हो रही है। कोरोना की रोकथाम के लिए राज्य में रात्रि कर्फ्यू का समय बढ़ाने के साथ ही कई पाबंदियां भी लगाई गई। परंतु लोगों की लापरवाही कोरोना संक्रमण को हवा दे रही है। रविवार को राज्य में कोरोना के 62।5 नए मामले सामने आए हैं, जबकि 1263 लोग ठीक होकर अपने घर लौट गए। आज राज्य में कोरोना से कोई मौत नहीं हुई। 15 से 18 वर्षीय किशोरों समेत राज्यभर में आज 9346। लोगों का टीकाकरण किया गया। पिछले 24 घंटों में अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 248।, सूरत कॉर्पोरेशन में 1696, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 34।, राजकोट में 194, सूरत में 183, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 153, नवसारी में 118, वलसाड में 10।, भावनगर कॉर्पोरेशन में 98, कच्छ में ।0, भरुच में 68, खेडा में 6।, आणंद में 64, राजकोट में 60, पंचमहल में 5।, गांधीनगर में 53, वडोदरा में 51, जामनगर कॉर्पोरेशन में 49, जूनागढ़ कॉर्पोरेशन में 45, साबरकांठा में 35, अहमदाबाद में 32, मोरबी में 29, नर्मदा में 25, अमरेली में 24, मेहसाणा में 19, पाटन में 1।, बनासकांठा में 13, देवभूमि द्वारका में 12, सुरेन्द्रनगर में 12, भावनगर में 11, गिर सोमनाथ में 9, महीसागर में 9, दाहोद में 8, जामनगर में 8, तापी में ।,

पोरबंदर में 6, छोटाउदेपुर, बोटाद में 2, जूनागढ़ में 2 और डांग में 1 समेत राज्यभर में 62।5 कोरोना पॉजिटिव केस पिछले 24 घंटों में सामने आए हैं। जबकि 1263 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज किया गया। राज्य में अब तक 8 24163 नागरिक कोरोना को मात देकर स्वस्थ हो चुके हैं, जबकि 10128 लोगों की कोरोना से जा चुकी है। राज्य में फिलहाल कोरोना के 2।913 सक्रिय मरीज हैं, जिसमें 2।88। स्टेबल हैं और 26 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं। रविवार को राज्यभर में 9346। नागरिकों को वैक्सीनेट किया गया। जिसमें 2 हेल्थ केयर वर्कर और फ्रंट लाइन वर्कर को पहला और 144 को कोरोना का दूसरा डोज दिया गया। 45 वर्ष से अधिक आयु के 3599 को पहला और 1142। नागरिकों

को कोरोना का दूसरा टीका लगाया गया। 18 से 45 वर्ष आयु समूह के 246।1 को पहला और 35।6। लोगों को दूसरा डोज दिया गया। वहीं 15 से 18 वर्षीय 1।85। किशोरों को कोविड की पहली वैक्सीन दी गई। राज्य में 18।389। किशोरों समेत अब तक 9 करोड़ 31 लाख 18 हजार 81। नागरिकों को वैक्सीनेट किया जा चुका है।

गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी के जन्मदिन के अवसर पर दिव्यांगों को 15 ट्राईसाईकिल, 15 व्हीलचेयर और 7 वॉकर अर्पण किए गए। गृह राज्य मंत्री ने सूरत की सिविल हॉस्पिटल में दिव्यांगों के साथ सादगी से जन्मदिन मनाया। इस प्रसंग पर पुलिस कमिश्नर श्री अजय तोमर गुजरात नर्सिंग काउंसिल के उप प्रमुख श्री इकबाल कड़ीवाला, सूरत नर्सिंग एसोसिएशन के प्रमुख दिनेश भाई अग्रवाल, नर्सिंग एसोसिएशन के सेक्रेटरी किरणभाई दोमडिया, निलेशभाई लाठिया तथा श्री स्वामीनारायण परमसुख गुरुकुल के जगत स्वरूप स्वामी उपस्थित थे।

और दो स्कूलों के 14 विद्यार्थी हुए संक्रमित, सूरत मनपा ने बंद कराई स्कूलें

शहर की और दो स्कूलों में 14 विद्यार्थियों के कोरोना संक्रमित होने के बाद महानगगर पालिका ने दोनों स्कूलों का बंद करवा दिया है। बता दें कि गुजरातभर में कोरोना ने हाहाकार मचा रखा है। राज्यभर में दर्ज हो रहे कुल मामलों में आधे मामले अहमदाबाद में सामने आ रहे हैं। अहमदाबाद के बाद सूरत में सबसे अधिक कोरोना के केस दर्ज हो रहे हैं। कोरोना की स्कूलों में भी एन्ट्री हो गई है और विद्यार्थी इसकी चपेट में आ रहे हैं। शनिवार को सूरत की और दो स्कूलों में 14 जितने विद्यार्थी कोरोना संक्रमित हो गए। सूरत की टेकरावाला स्कूल में 8 और स्वामीनारायण विद्यालय में 6 विद्यार्थियों की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। स्कूल संचालकों द्वारा सतर्कता बरते जाने के दावे किए जाने के बावजूद विद्यार्थी संक्रमित हो रहे हैं। शहर की और दो स्कूलों में 14 विद्यार्थियों के संक्रमित होने के बाद महानगर पालिका ने दोनों स्कूलों को बंद करवा दी हैं। साथ ही स्कूलों में सैनिटाइजेशन की कार्यवाही शुरू की गई है।

नडियाद के कैनाल में महिला के कूदने की चर्चा, फायर विभाग के तैराक कर रहे हैं तलाश

खेडा।

जिले के नडियाद से गुजरती नहर में एक महिला के छलांग लगाने की खबर पाते ही फायर विभाग के तैराकों की टीम घटनास्थल पर पहुंच गई और खोजबीन शुरू कर दी। हांलाकि काफी मशक्कत के बाद फायर विभाग को कोई सफलता नहीं मिली है। खबर सही थी या गलत यह तो बाद में पता चलेगा, फिलहाल फायर विभाग के जवान मानवता के नाते अपनी कार्यवाही जारी रखे हुए हैं। दरअसल खेडा जिले के नडियाद में कॉलेज रोड से गुजरती मही सिंचाई योजना की मुख्य नहर में रविवार की सुबह 11.30 के आसपास किसी महिला के छलांग लगाने की खबर नडियाद फायर कंट्रोल रूम को मिली थी। सूचना मिलते है फायर ब्रिगेड की टीम 5 जितने

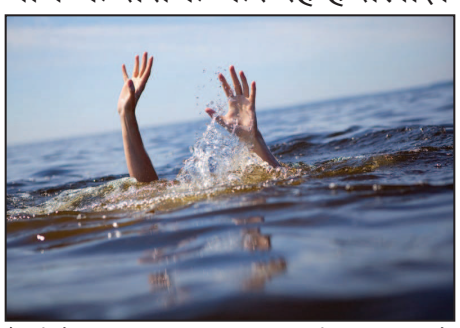

तैराकों के साथ घटनास्थल पर पहुंच गई। लेकिन घटनास्थल पर महिला का कोई सामान या एक भी प्रत्यक्षदर्शी मौजूद नहीं था। सूचना सही थी या गलत इसे नजरअंदाज करते फायर विभाग के जवानों ने नहर के पानी में महिला की तलाश शुरू कर दी। कॉलेज से सिविल तक फायर विभाग के जवानों ने खोजबीन की, परंतु उनके हाथ कोई व्यक्ति नहीं लगा। फायर विभाग के एक जवान ने बताया कि उनके पहुंचने के बाद बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ घटनास्थल पर जमा हो गई। लोगों में चर्चा थी कि युवक और युवती लड़ते-झगड़ते नहर पर आए थे। जहां युवती ने नहर में छलांग लगा दी। घटना में कितनी सच्चाई है यह तो युवती के मिलने या मामले की जांच के बाद सामने आएगा। फिलहाल फायर के जवान अपनी कर्त्तव्य निभा रहे हैं।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)